संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 214
पृष्ठ 8
शुक्रवार
24 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- प्रेग्नेंसी प्लानिंग सिर्फ महिलाएं...

विचार- महिला आरक्षण की आड़ में...

खेल- राजस्थान के तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर...

सीएम योगी ने किया उद्घाटन, बोले-

नियत साफ हो तो नियति को बदलने में देर नहीं लगती

गोरखपुर,संवाददाता। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जहां पहले मीथेन गैस निकलती थी वहां आज बच्चों के खेलने के लिए पार्क है। लोग योगासन और ध्यान कर सकते हैं। यह बताता है कि जब नियत साफ हो तो नियति को बदलने में देर नहीं लगती। मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को इको पार्क और एकला बांध सड़क के लोकार्पण के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने 1055 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि कुछ करने की इच्छाशक्ति हो तो बहुत कुछ परिवर्तन लाया जा सकता है। पहले बहुत भद्दा लगता था। लखनऊ, वाराणसी की तरफ प्रवेश करते हुए सबसे पहले कचरा ही दिखता था।

आज से 35 वर्ष पहले ट्रांसपोर्ट नगर में शहर का सारा कचरा डंप होता था। वह बहुत भद्दा लगता था। वहां सफाई हुई और आज वहां ट्रांसपोर्ट नगर है। गोरखपुर की मंडी है। उसके बाद यह कचरा आकर एकला बांधे पर गिरने लगा था। गंदगी के साथ हवा में बदबू और जमीन में जहर हो गया था। इसकी वजह से नीचे गंदगी होती थी और एनजीटी जुर्माना लगाता था। इससे भूजल भी प्रभावित होता था। आज यहां एक आधुनिक पार्क बन गया है। यह केवल पार्क नहीं पिकनिक स्पॉट बन गया है। यहां लोग परिवार के साथ बैठ सकते थे। यह बदलाव गोरखपुर में हर तरफ देखने को मिल रहा है।

गोरखपुर वाराणसी मार्ग को जोड़ने के लिए तीन किलोमीटर लंबी फोरलेन की कनेक्टिविटी भी मिल रही है। इस मार्ग से लखनऊ, बांसगांव, कौड़ीराम तक जा सकते है। गोरखपुर में पिछले नौ वर्ष में जो कार्य प्रारंभ हुए यह उसी का परिणाम है। हमें स्कूली बच्चों को आरआरआर के बारे में बताना पड़ेगा। वेस्ट टू आर्ट के बारे में बताना पड़ेगा। पार्क में कचरे से बने आर्ट लगाए गए हैं। क्विज और रील प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा। आज जो भी यूपी में आता है उसको सुरक्षा के साथ बदलाव देखने को मिलता है। स्मार्ट के साथ सेफ सिटी भी हो। उत्तर प्रदेश के सभी नगर निगमों ने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ाया है।

सीएम ग्रिड के तहत स्मार्ट सड़कें बन रही हैं। हर वार्ड में एंड–टू–एंड पेविंग , ग्रीन बेल्ट और मिनी फॉरेस्ट का काम हो रहा है। खुली नालियों को बेहतरीन तरीके से ढकने का काम किया जा रहा है। गोरखपुर नगर में जहां पहले पानी भरता था वहां आज बेहतर नालियां हैं। अंधेरा था वहां आज स्ट्रीट लाइटें हैं। जहां पहले हवा में बदबू थी आज स्वच्छ वातावरण में लोग मॉर्निंग वॉक कर सकते हैं। आज शुद्ध पेयजल की उपलब्धता है। इस बंधे पर जो एनर्जी खर्च होगी वह रिन्यूएबल है। यहां सोलर पैनल लगाए गए हैं। सिटी फॉरेस्ट से क्षेत्र में हरियाली होगी और प्रदूषण कम होगा। इसी को लेकर प्रदेश के सभी नगर निगमों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है। पहले गोरखपुर में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव था। पहले गोरखपुर के लोग स्वास्थ्य शिक्षा के लिए बाहर जाते थे। आज गोरखपुर में चार विश्वविद्यालय हैं। सहजनवा में मिनी स्टेडियम है। अब फर्टिलाइजर कारखाना भी चल रहा है। पिपराइच में चीनी मिल भी लग गई है। गोरखपुर ग्रामीण में ही इंटरनेशनल स्टेडियम और वेटनरी कॉलेज भी बन रहा है। सिक्सलेन और फोरलेन से कनेक्टिविटी भी बेहतर हुई है। इसका ध्यान रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। वन महोत्सव में ग्रामीण विधायक इस बंधे के किनारे वृहद पौधरोपण कराएं। हर वार्ड में मिनी फॉरेस्ट बनाए जाएं। इस फोरलेन से जाम की समस्या का भी समाधान हुआ है। सीएम ने रविकिशन की चुटकी लेते हुए कहा कि संसद में सांसद का भाषण सुना ही होगा। आचरण किया कि नहीं। सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि जहां कचरा था वहां आज स्वर्ग बन गया है। पहले सब नाक दबाकर जाते थे आज साफ हो गया है। सपा–बसपा का बनाया गटर आज साफ हो चुका है। कचरा में हीरा खोज दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने कसा तंज

ज्ञान का स्वागत है, लेकिन वाट्सऐप यूनिवर्सिटी से नहीं

नयी दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक अहम सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि वह सभी प्रख्यात लेखकों और विचारकों के विचारों का सम्मान करता है, लेकिन व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी से मिली जानकारी या ज्ञान को अदालत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह रोचक टिप्पणी 9 जजों की संविधान पीठ ने धार्मिक स्थलों (जैसे केरल के सबरीमाला मंदिर) पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव और विभिन्न धर्मों में धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार व उसके दायरे को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए की। इस महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई कर रही नौ सदस्यीय संविधान पीठ की अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत कर रहे हैं। उनके अलावा इस पीठ में जस्टिस बी.वी. नागरत्ना, जस्टिस एम.एम. सुंदरेश, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, जस्टिस अरविंद कुमार, जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले, जस्टिस आर. महादेवन और जस्टिस जॉयमाल्या बागची शामिल हैं। सुनवाई के दौरान दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रमुख की ओर से वरिष्ठ वकील नीरज किशन कौल पेश हुए। अपनी दलीलें रखते हुए उन्होंने कांग्रेस नेता और लेखक शशि थरूर के एक लेख का हवाला दिया। इस लेख में धार्मिक मामलों और राहत के विषय में न्यायिक संयम (अदालतों द्वारा दखलंदाजी से बचने) की बात कही गई थी। इस संदर्भ पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हम सभी प्रख्यात हस्तियों, न्यायविदों आदि का सम्मान करते हैं, लेकिन किसी की व्यक्तिगत राय, केवल एक व्यक्तिगत राय ही होती है।

सीएम रेखा गुप्ता, गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं पर दिए कड़े निर्देश

नयी दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने आज राजधानी के अरुणा आसफ अली अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सीएम ने अस्पताल की व्यवस्थाओं का

जायजा लिया और मरीजों के साथ–साथ उनके परिजनों से सीधा संवाद कर डॉक्टरों की उपलब्धता और सुविधाओं की जानकारी ली। डॉक्टरों, कर्मचारियों और अस्पताल प्रबंधन से फीडबैक लेकर स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक, तेज, संवेदनशील और नागरिक–केंद्रित बनाने की दिशा में आवश्यक निर्देश दिए। हमारा संकल्प है कि दिल्ली का हर नागरिक ऐसे स्वास्थ्य तंत्र का अनुभव करे जहां समय पर उपचार मिले, आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हों, स्वच्छ वातावरण हो और हर मरीज को सम्मान के साथ सेवा प्राप्त हो। गर्मियों को देखते हुए अस्पताल प्रशासन को दवाइयों की उपलब्धता, पीने के पानी, स्वच्छता, मरीजों की सुविधा और सभी आवश्यक इंतजाम सर्वोच्च प्राथमिकता पर सुनिश्चित करने को कहा गया है। हर परिवार को भरोसेमंद स्वास्थ्य सुरक्षा मिले, हर नागरिक को समय पर उपचार मिले और हर अस्पताल सेवा, संवेदना और विश्वास का केंद्र बने। इसी दिशा में हम निरंतर कार्य कर रहे हैं।

ट्रेनों में मौत बांट रहे नकली साधु, झारखंड में नशीला लड्डू खाने से महिला की मौत, गिरोह का पर्दाफाश

धनबाद,एजेंसी। झारखंड के कोडरमा–धनबाद रेलखंड पर नकली साधुओं के एक गिरोह द्वारा दिए गए नशीले प्रसाद को खाने से उत्तर प्रदेश के मांडा की रहने वाली एक महिला यात्री की मौत हो गई। महिला अस्पताल में चार दिनों तक जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ी, लेकिन अंततः उसे बचाया नहीं जा सका। इस सनसनीखेज वारदात के बाद रेल पुलिस ने घेराबंदी कर वाराणसी के रहने वाले सात नकली साधुओं को गिरफ्तार किया है। झारखंड के रेल डीजी अनिल पलटा को लगातार मिल रहे इनपुट्स के बाद जीआरपी और आरपीएफ की एक संयुक्त टीम गठित की गई थी। पुलिस ने विभिन्न रेलवे स्टेशनों के दर्जनों सीसीटीवी कैमरों को खंगाला, जिसमें संदिग्धों की संदिग्ध गतिविधियां कैद हुई थीं। पकड़े गए सातों आरोपियों ने स्वीकार किया है कि वे वाराणसी और आसपास के इलाकों के रहने वाले हैं। वे अलग–अलग टुकड़ियों में बंटकर विभिन्न राज्यों की ट्रेनों, विशेषकर स्लीपर और जनरल बोगियों में यात्रियों को अपना निशाना बनाते थे। इस गिरोह के सदस्य साधु का भेष धारण कर खुद को किसी प्रतिष्ठित मठ से जुड़ा बताते हैं। ट्रेन में सफर के दौरान वे यात्रियों से मेल–जोल बढ़ाकर उनका विश्वास जीतते हैं और फिर विशेष प्रसाद के नाम पर नशीला लड्डू थमा देते हैं। मांडा की रहने वाली के साथ भी यही हुआ। लड्डू खाते ही वह अचेत हो गई, जिसके बाद लुटेरे उसकी नकदी और चांदी के गहने लेकर चंपत हो गए। पुलिस पूछताछ में यह उजागर हुआ कि यह एक संगठित सिंडिकेट है, जो साधु के भेष का इस्तेमाल केवल अपराध को छिपाने के लिए कवर के तौर पर करता था। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि इस गिरोह ने अब तक कितने यात्रियों को अपना शिकार बनाया है और इनके द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली नशीली दवाओं का स्रोत क्या है। रेल प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि यात्रा के दौरान किसी भी अपरिचित व्यक्ति, चाहे वह किसी भी भेष में हो, उसके द्वारा दिए गए प्रसाद या किसी भी खाद्य सामग्री को कतई स्वीकार न करें।

जनता अब भ्रष्टाचार और कुशासन से ऊब चुकी है–प्रधानमंत्री मोदी

नादिया,एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नादिया के कृष्णानगर में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। पीएम ने टीएमसी सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि राज्य की जनता अब भ्रष्टाचार और कुशासन से ऊब चुकी है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए 152 सीटों पर मतदान हो रहा है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नदिया जिले के कृष्णानगर में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया।

इस दौरान उन्होंने चुनाव आयोग की जमकर तारीफ की और टीएमसी सरकार पर तीखा हमला बोला। चुनाव आयोग की क्या तारीफ की? पीएम मोदी ने कहा, श्मैं कह सकता हूं कि पिछले 50 वर्षों में यह पहला ऐसा चुनाव है जिसमें हिंसा बिल्कुल न्यूनतम स्तर पर है।श उन्होंने कहा कि पहले तो हर हफ्ते किसी को फांसी पर लटका देना और उसे आत्महत्या बता देना आम बात थी। यहां अराजकता और गुंडागर्दी का राज था।

भारत की विदेश नीति में अफ्रीका का अहम स्थान: जयशंकर

नई दिल्ली,एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत–अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन–IV के लोगो और वेबसाइट लॉन्च किया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने अफ्रीका को भारत की विदेश नीति का मुख्य हिस्सा बताया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि आज भारत की विदेश नीति में अफ्रीका का स्थान महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि अफ्रीका के साथ भारत का रिश्ता एक साफ सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। यह रिश्ता समानता, आपसी सम्मान और साथ मिलकर तरक्की करने के सिद्धांतों पर टिका है।

जहाजों पर गोलीबारी के बाद भारत का कड़ा रुख

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया के समुद्री रास्तों पर पिछले दिनों हुई गोलीबारी ने तनाव बढ़ा दिया है। इस गंभीर स्थिति पर भारत सरकार ने अब अपना रुख पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत हमेशा शांति का पक्षधर रहा है। भारत का मानना है कि किसी भी बड़े संघर्ष को केवल बातचीत और कूटनीति से ही सुलझाया जा सकता है। सरकार ने साफ किया है कि शांति के लिए उठाए जाने वाले हर कदम को भारत का पूरा समर्थन मिलेगा। पिछले दिनों दो विदेशी जहाजों पर समुद्र में गोलीबारी की खबर आई थी। इन जहाजों पर कई भारतीय नागरिक भी तैनात थे। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि उन जहाजों पर मौजूद सभी भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार लगातार ईरानी अधिकारियों के संपर्क में बनी हुई है। सरकार का प्राथमिक उद्देश्य अपने नागरिकों की जान बचाना और उन्हें सुरक्षित माहौल देना है।

लोकरंजन प्रकाशन एवं शहर समता विचार मंच

के संयुक्त तत्वावधान में

लोकार्पण एवं काव्य गोष्ठी

रचना सक्सेना कृत ग़ज़ल संग्रह - "और मै जिन्दा रही" का लोकार्पण

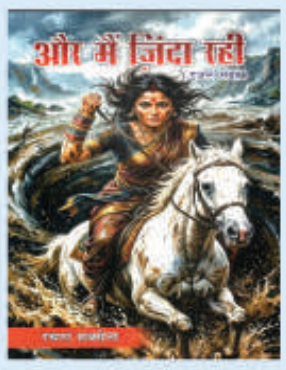

अध्यक्षता	-	श्री रविनंदन सिंह, वरिष्ठ साहित्यकार
मुख्य अतिथि	-	श्री यश मालवीय, वरिष्ठ साहित्यकार
मुख्य अतिथि	-	डॉ. रवि मिश्रा, प्रोफेसर, साहित्यकार
विशिष्ट अतिथि	-	डॉ. सरोज सिंह, प्रोफेसर
विशिष्ट अतिथि	-	डॉ. अमिता पाण्डेय, प्रोफेसर
विशिष्ट अतिथि	-	सुश्री ज्योतिर्मय श्रीवास्तव, साहित्यकार,

कार्यक्रम स्थल:- हिन्दुस्तानी एकेडमी का सभागार'
दिनांक २६.०४.२०२६ (रविवार)

प्रथम सत्र:- लोकार्पण: दिन में ११.३० बजे से दोपहर २.३० तक
द्वितीय सत्र:- काव्य गोष्ठी: दोपहर २.४० सायकाल ०५ बजे तक

डॉ आदित्य नारायण सिंह, श्री रंजन पाण्डेय
संस्थापक
लोक रंजन प्रकाशन

संजय सक्सेना
संयोजक

उमेश श्रीवास्तव
संस्थापक,
शहर समता विचार मंच

सड़कें तपीं, टंकी में खौला पानी, गर्म हवाओं ने बढ़ाई बेचैनी

प्रयागराज। तपती धूप व गर्म हवाओं की वजह से जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। बुधवार को एक बार फिर सुबह 10 बजे के बाद सड़कें भट्टी की तरह तपने लगीं, टंकी का पानी खौलने लगा और गर्म हवाओं ने लोगों को बेचौन कर दिया। तपती धूप व गर्म हवाओं की वजह से जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। बुधवार को एक बार फिर सुबह 10 बजे के बाद

सड़कें भट्टी की तरह तपने लगीं, टंकी का पानी खौलने लगा और गर्म हवाओं ने लोगों को बेचौन कर दिया। प्रयागराज 43.7 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ उत्तर प्रदेश में दूसरा सबसे गर्म जिला रहा। वहीं, मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक भीषण गर्मी का अनुमान जताया है। इस दौरान अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के आसार हैं। इसके साथ ही दिन के अलावा रात में भी गर्म हवाओं का प्रकोप देखने को मिल रहा है। न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। वहीं, अगले चार दिन में न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के आसार हैं। हालांकि, मौसम विभाग के अनुसार 28 फरवरी को हल्की बूंदाबांदी के आसार बनते दिख रहे हैं। इससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिलने का अनुमान है। फिलहाल, अगले चार दिन तक लोगों को गर्मी से विशेष सावधान रहने की जरूरत है।

प्रयागराज छिवकी के रास्ते चलेगी बनारस–पुणे अमृत भारत एक्सप्रेस

प्रयागराज। बनारस से पुणे के हडपसर स्टेशन के बीच चलने वाली अत्याधुनिक अमृत भारत ट्रेन प्रयागराज छिवकी के रास्ते संचालित होगी। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, इस नई ट्रेन का संचालन 28 अप्रैल से शुरू होने की संभावना है। बनारस से पुणे के हडपसर स्टेशन के बीच चलने वाली अत्याधुनिक अमृत भारत ट्रेन प्रयागराज छिवकी के रास्ते संचालित होगी। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, इस नई ट्रेन का संचालन 28 अप्रैल से शुरू होने की संभावना है। रेलवे प्रशासन इसी सप्ताह समय सारिणी (टाइम टेबल) जारी करने की तैयारी में है। पुणे से प्रयागराज छिवकी होते हुए बनारस का यह सफर अमृत भारत ट्रेन 28 घंटे में पूरा करेगी। पुणे से यह ट्रेन सुबह सप्ताह में एक दिन सुबह 7रू55 बजे चलाने की तैयारी है जो अगली सुबह आठ बजे के आसपास छिवकी एवं दोपहर 12.15 बजे बनारस पहुंचेगी। इसी तरह बनारस से इसकी रवानगी दोपहर तीन बजे होगी। शाम 7रू30 बजे छिवकी एवं रात 8रू30 बजे पुणे पहुंच जाएगी।

इसका ठहराव लोनावाला, पनवेल, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, मनमाड, जलगांव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर में रहेगा। चर्चा है कि 28 अप्रैल को वाराणसी के प्रस्तावित दौरे के दौरान ही पीएम मोदी अमृत भारत ट्रेन को वर्चुअली हरी झंडी दिखा सकते हैं।

पहले 25 और 35 दिन बाद बुकिंग, फिर एक महीने बाद सिलिंडर मिलने का आश्वासन

प्रयागराज। तेल कंपनियों की ओर से 14.2 किलोग्राम का एक एलपीजी सिलिंडर रखने वाले उपभोक्ताओं को 25 दिन बाद और दो एलपीजी सिलिंडर रखने वाले उपभोक्ताओं को 35 दिन बाद एलपीजी सिलिंडर बुक करने का नियम बना दिया गया है। तेल कंपनियों की ओर से 14.2 किलोग्राम का एक एलपीजी सिलिंडर रखने वाले उपभोक्ताओं को 25 दिन बाद और दो एलपीजी सिलिंडर रखने वाले उपभोक्ताओं को 35 दिन बाद एलपीजी सिलिंडर बुक करने का नियम बना दिया गया है। लेकिन, एलपीजी सिलिंडर को लेकर उपभोक्ताओं की चिंता तब और बढ़ जाती है, जब उन्हें बुकिंग के एक महीने बाद सिलिंडर दिए जाने की बात कही जाती है। सम्मेलन मार्ग स्थित संगम गैस सर्विस के उपभोक्ताओं को बुकिंग के एक महीने बाद ही सिलिंडर दिए जाने का आश्वसन दिया जा रहा है। जानसेनगंज की रहने वाली सोनी सिंह ने बताया कि दो अप्रैल को सिलिंडर बुक किया है। कई दिनों तक सिलिंडर नहीं मिलने पर जब एजेंसी में पूछताछ की तो बताया गया कि दो मई के बाद ही सिलिंडर उपब्ध हो सकेगा। ऐसे में अब कई दिनों तक इंडेक्शन और लड़की के जरिए ही खाना बनाना पड़ेगा। मुंडेरा के रहने वाले पंकज तिवारी ने बताया कि उन्होंने नौ अप्रैल को सिलिंडर बुक किया है और अब नौ मई के बाद ही सिलिंडर दिए जाने की बात कही जा रही है। उन्होंने बताया कि एक सिलिंडर के जरिए घर में आठ लोगों का खाना बनाता है और करीब 24 दिन में ही गैस खत्म हो जाती है। ऐसे में बिना गैस के खाना बनाना मुश्किल हो रहा है। इसी तरह बहादुरगंज के रहने वाले तेज प्रताप ने भी दो अप्रैल को सिलिंडर बुक किया है और उन्हें भी दो मई के बाद ही सिलिंडर उपलब्ध होने के लिए कहा गया है। लूकरगंज स्थित कामधेनु इंडेन गैस सर्विस से जुड़े उपभोक्ता पिछले चार दिनों से सिलिंडर की सप्लाई नहीं होने से परेशान रहे। एजेंसी के कर्मचारियों ने बताया कि प्लांट से चार दिन बाद 288 सिलिंडर की सप्लाई की गई है। लेकिन, चार दिन सप्लाई नहीं होने से बैकलॉग बढ़ गया है। ऐसे में डिलीवरी के लिए पहले निर्धारित की गई तारीख से चार दिन की देरी से हो पाएगी। इस एजेंसी से जुड़े लूकरगंज के लाल चंद्र ने बताया कि उन्होंने 17 अप्रैल को सिलिंडर बुक किया है, जिसे 27 अप्रैल के बाद डिलीवर किए जाने के लिए कहा जा रहा है।

बागेश्वर बाबा बोले- व्यर्थ को दूर करते ही जीवन का अर्थ हो जाएगा सार्थक

प्रयागराज। व्यर्थ को दूर करते ही जीवन का अर्थ सार्थक हो जाएगा। प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम के साथ ही आस्था, अध्यात्म, भक्ति और शक्ति का भी संगम है।

व्यर्थ को दूर करते ही जीवन का अर्थ सार्थक हो जाएगा। प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम के साथ ही आस्था, अध्यात्म, भक्ति और शक्ति का भी संगम है। यहां पर 12 ठाकुर जी के साथ हनुमान जी विराजमान हैं। यहां के पंडों की महिमा महान है, इनके पास सबकी कुंडली है। ये बातें सोमेश्वर महादेव गंगा घाट पर आयोजित राष्ट्र हनुमंत कथा के दूसरे दिन बुधवार को कथा व्यास बागेश्वर पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहीं।

प्रयाग उत्थान समिति की ओर से आयोजित कथा में बुधवार को अशोक वाटिका और रावण दरबार का वर्णन किया गया। सनातन पर बोलते हुए पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि किसी भी तीर्थ स्थल पर जाओ, तो वहां ज्ञान, स्नान और दान जरूर करना चाहिए। जरूरी नहीं कि धन का दान हो, यदि आप धन का दान नहीं कर सकते तो अपने गलत विचारों का दान करके वहां से आएं।

कथा के दूसरे दिन विशेष अतिथियों में परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैय्या, सांसद मनोज तिवारी, दिनेश लाल यादव निरहुआ, महाभारत में युधिष्ठिर का किरदार निभाने वाले गजेंद्र चौहान और दुर्योधन का किरदार निभाने वाले पुनीत इस्सर शामिल रहे।

डिप्टी सीएम बोले– भारत के पुराने हिस्से पाकिस्तान में भी होनी चाहिए राम कथा

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारत के पुराने हिस्से पाकिस्तान में भी राम कथा का आयोजन होना चाहिए। उन्होंने पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का अभिनंदन करते हुए कहा कि महाराज जी ने सनातन संस्कृति की अलख जगाने का काम किया है। वहीं, गजेंद्र चौहान और पुनीत इस्सर ने महाराज जी का अभिवादन किया। इसके बाद पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि आज एक ही मंच पर महाभारत के दोनों पक्ष हैं। यदि यह पहले ही एक मंच पर बैठ जाते तो महाभारत का युद्ध नहीं होता।

महाकुंभ और माघ मेले के बाद संगम की रेती पर उमड़ा जनसैलाब

परमार्थ निकेतन के स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि महाकुंभ, माघ मेले के बाद अब संगम की रेती पर जनसैलाब उमड़ा है। उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के काम की तारीफ की। कहा कि उन्होंने धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार कराया। आज पूरा विश्व अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए पहुंच रहा है। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए उन्होंने सेना के शौर्य का बखान किया।

अब भारत जरूर बनेगा हिंदू राष्ट्र रू पुनीत इस्सर

पुनीत इस्सर ने कहा कि अब भारत हिंदू राष्ट्र जरूर बनेगा। अब हमें शास्त्र विद्या के साथ शस्त्र विद्या का ज्ञान लेना होगा। हमें अपने बच्चों को सनातन धर्म से अवगत कराने के साथ ही आसपास के माहौल से बचाना होगा। धर्म परिवर्तन और लव जिहाद से हमें सतर्क रहने की आवश्यकता है। वहीं, भोजपुरी फिल्मों के सितारे दिनेश लाल यादव निरहुआ ने अपने अंदाज में गीत गाते हुए राम भक्ति का संदेश दिया।

विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैय्या ने कहा कि जो नेता वंदे मातरम का विरोध करे, जनता को उसे सबक सिखाना चाहिए। इस दौरान व्यापारी नेता उमेश चंद्र केसरवानी एवं राजेश केसरवानी ने पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को गदा भेंट किया। इस मौके पर विनय प्रताप सिंह, अजीत सिंह, धीरेंद्र प्रताप सिंह, अभिषेक ठाकुर, दिलीप चतुर्वेदी, पार्षद राकेश जायसवाल, निखिल पांडे, शिवम अग्रहरी आदि मौजूद रहे।

मुख्य संयोजक डॉ. उदय प्रताप सिंह ने स्वामी चिदानंद, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, विधायक रघुराज प्रताप सिंह, सांसद मनोज तिवारी, दिनेश लाल यादव निरहुआ, पुनीत इस्सर, गजेंद्र सिंह, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी का अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया।

डिप्टी सीएम केशव बोले : युवा अफसर विकसित भारत के होंगे मजबूत स्तंभ

प्रयागराज। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद बुधवार को इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन हॉल में आयोजित संस्कृति आईएएस संस्थान के प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल हुए। उन्होंने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (पीसीएस)–2024 में चयनित 175 अभ्यर्थियों को पदक, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद बुधवार को इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन हॉल में आयोजित संस्कृति आईएएस संस्थान के प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल हुए। उन्होंने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (पीसीएस)–2024 में चयनित 175 अभ्यर्थियों को पदक, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डिप्टी सीएम ने कहा कि आज के युवा ही देश और प्रदेश का भविष्य हैं। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र विकसित उत्तर प्रदेश बनाने का लक्ष्य है। इसमें युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। सफल अभ्यर्थियों ने अपने गांव परिवार, माता–पिता और शिक्षकों का नाम रोशन किया है।

उन्होंने कहा, वर्तमान सरकार में भर्ती प्रक्रियाएं पारदर्शी हुई हैं। अब केवल मेहनत और प्रतिभा के आधार पर ही चयन संभव है। यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता की आशंका हो तो छात्र शिकायत करें, सरकार कठोर कार्रवाई करेगी। वहीं, मुक्त विवि के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालयी शिक्षा के दौरान ही छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की आदत डालनी चाहिए। इससे उनके शीघ्र चयन की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की पूर्व सदस्य डॉ. सविता अग्रवाल ने भावी सिविल सेवकों को तैयारी के महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए। कार्यक्रम में संस्कृति आईएएस संस्थान ने फंडामेंटल कोर्स की शुरुआत की। जिसे मात्र एक रुपये की टोकन राशि पर उपलब्ध कराया गया है। इस पहल की सराहना करते हुए उपमुख्यमंत्री ने इसे आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली छात्रों के लिए उपयोगी बताया।

संस्कृति आईएएस के प्रबंध निदेशक अखिल मूर्ति और सह–संस्थापक गीतांजलि ने अतिथियों का स्वागत किया। सेंटर हेड केपी द्विवेदी ने मुख्य अतिथि को उनका एक स्केच फोटोग्राफ भेंट किया। संस्था के निदेशक अखिल मूर्ति सहित अन्य शिक्षकों को उपमुख्यमंत्री ने माला पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सांसद प्रवीण पटेल, फाफामऊ के विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, फूलपुर के विधायक दीपक पटेल, यमुनापार अध्यक्ष राजेश शुक्ल तथा गंगापार अध्यक्ष निर्मला पासवान के अलावा वरिष्ठ शिक्षक राजकुमार और केपी द्विवेदी सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी भी कार्यक्रम उपस्थित रहे। संचालन नूपुर कपूर ने किया, जबकि अनिल सुदर्शन और रुक्मणि शर्मा के गीतों ने समारोह का माहौल खुशनुमा बना दिया।

इस दौरान संस्कृति आईएएस के फाइनेंस हेड निशांत सक्सेना के साथ आयोजक मंडल के प्रमुख सदस्यों में अकादमिक हेड संजीव सिंह, हृदेश कुमार तथा मीडिया टीम से नरेंद्र कुमार, संदीप पांडेय, निपेंद्र सिंह और आशुतोष भी मौजूद रहे।

प्रयागराज में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 140 पदों पर होगी भर्ती, ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू

प्रयागराज। बाल विकास परियोजनाओं के तहत प्रयागराज में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 140 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की अंतिम तिथि 13 मई 2026 निर्धारित की गई है।

बाल विकास परियोजनाओं के तहत प्रयागराज में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 140 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की अंतिम तिथि 13 मई 2026 निर्धारित की गई है। ऑनलाइन आवेदन वेबसाइट https://www.upanganwadibharti.in पर किया जा सकता है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश सिंह के अनुसार विज्ञापित पदों के लिए केवल महिला अभ्यर्थी ही पात्र होंगी। दो परियोजनाओं मेजा व शहर द्वितीय में पूर्व चयन प्रक्रिया से आच्छादित तीन पदों और 19 परियोजनाओं में नवीन चयन प्रक्रिया के तहत 137 पदों पर भर्ती की जाएगी। ग्राम सभा/वार्डवार पदों की सूचना एवं आरक्षण का विवरण कलक्ट्रेट, विकास भवन, तहसील एवं विकास खंड कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित कर दिया गया है।

नवीन चयन प्रक्रिया के तहत शंकरगढ़ में छह, सैदाबाद में तीन, शहर द्वितीय में 12, शहर प्रथम में 19, प्रतापपुर में तीन, मेजा में 12, मऊआइमा में एक, कोरांव में सात, कौड़िहार में छह, जसरा में 14, हंडिया में एक, धनूपुर में दो, चाका में 12, बहरिया में आठ, बहादुरपुर में 11, फूलपुर में सात, मांडा में पांच, होलागढ़ व करछना में चार–चार पदों और पूर्व चयन प्रक्रिया के तहत मेजा में दो व शहर द्वितीय में एक पद पर भर्ती होगी।

पात्रता की शर्तों के तहत आवेदक की आयु निर्धारित कटऑफ तिथि एक जनवरी 2026 को न्यूनतम 18 वर्ष और अधिकतम 35 वर्ष होनी चाहिए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता इंटरमीडिएट एवं उसके समकक्ष होगी। यह सीधी भर्ती मानदेय पर संविदा आधारित पदों पर होगी। विज्ञापित पदों की संख्या घट–बढ़ भी सकती है।

भर्ती में इन्हें दी जाएगी वरीयता

उसी ग्राम सभा/वार्ड (शहरी क्षेत्र में) की निवासी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार की विधवा महिला।

उसी ग्राम सभा/वार्ड (शहरी क्षेत्र में) की निवासी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार की विधिक तलाकशुदा परित्यक्ता महिला।

विधवा/तलाकशुदा/परित्यक्ता महिला के गरीबी रेख के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार का अभ्यर्थी न मिलने पर उसी ग्राम सभा/वार्ड (शहरी क्षेत्र में) की निवासी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार की महिलाएं।

आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती का परिणाम जारी

बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में पांच परियोजनाओं शहर प्रथम, शहर द्वितीय, चाका, बहादुरपुर व सोरांव में आंगनबाड़ी सहायिका के 363 पदों पर भर्ती का परिणाम जारी कर दिया गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश सिंह के अनुसार 281 पदों पर अभ्यर्थियों का चयन किया गया है, जबकि 82 पद आवेदन प्राप्त न होने व पात्र अभ्यर्थी उपलब्ध न होने के कारण रिक्त रह गए हैं। भर्ती का परिणाम विकास भवन स्थित कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित कर दिया गया है।

फूलपुर में किशोरी की गला घोंटकर हत्या, पांच के खिलाफ एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। बुधवार देर रात 17 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में गला घोंटकर हत्या किए जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। गुरुवार सुबह घर के पीछे रक्तरंजित अवस्था में शव मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं गांव में दहशत का माहौल है। बुधवार देर रात 17 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में गला घोंटकर हत्या किए जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। गुरुवार सुबह घर के पीछे रक्तरंजित अवस्था में शव मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं गांव में दहशत का माहौल है। फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के संडलपुर गांव निवासी राजेंद्र पटेल उर्फ लाला की चार बेटियों में तीसरे नंबर की रेखा रात में अपने घर पर थी। परिजनों के अनुसार, सुबह जब वे जागे तो रेखा घर में नहीं मिली। तलाश करने पर घर के पीछे उसका शव पड़ा मिला। परिजनों का कहना है कि शव के चेहरे पर चोट के निशान थे और गले पर काला निशान दिखाई दे रहा था, जिससे गला घोंटकर हत्या की आशंका जताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही फूलपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और आसपास के लोगों से पूछताछ की। मृतका के पिता ने आरोप लगाया है कि जमीन विवाद के चलते पड़ोस के कुछ लोगों ने इस वारदात को अंजाम दिया है। इस संबंध में उन्होंने कोतवाली में पांच लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी। नामजद आरोपियों की तलाश के लिए टीम गठित कर दी गई है और विभिन्न पहलुओं पर जांच की जा रही है। घटना के बाद से गांव में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

कार की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत

प्रयागराज। तरांव गांव में बुधवार की शाम कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर बैठी महिला घायल हो गई। जिला अस्पताल में महिला की मौत हो गई। हरिशंकर निवासी चपरो थाना कोरांव पत्नी गायत्री देवी को बाइक पर बैठा कर कोरांव बाजार से घर जा रहे थे। इस दौरान तरांव गांव में कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर बैठी पत्नी गायत्री देवी (42) घायल हो गई। हादसे में पति बाल–बाल बच गया। इस दौरान घायल महिला को सीएचसी कोरांव के बाद जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां महिला की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बिना फेरे के लौटी बरात, दोनों पक्षों ने दिया शिकायती पत्र

प्रयागराज। थाना होलागढ़ के गांव भगौवतपुर खुटहा में बीते सोमवार को डांस को लेकर घराती और बराती में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि बिना फेरे के ही बरात लौट गई। दोनों पक्षों ने पुलिस को तहरीर दी है। मऊआइमा के गढवां गांव निवासी कमल नारायण पटेल ने अपने बेटे अवधेश कुमार की शादी भगौवतपुर खुटहा निवासी रमेश चंद्र की बेटी से शादी तय की थी। सोमवार को बराती और घराती में नाच–गाने को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान धक्का–मुक्की होने से लड़के पक्ष के कई लोग घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच की। थोड़ी देर बाद दोनों पक्षों में पंचायत हुई लेकिन विवाद हल नहीं हुआ। इस दौरान लड़की के पिता और लड़के पक्ष के लोगों ने शिकायत पत्र दिया है। इसके बाद बिना सात फेरे के ही बरात वापस लौट गई।

आग लगने से घर का सामान जलकर राख

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के कटका डेरा ग्राम सभा में आग की चिंगारी ने कई परिवार के आशियाने को जलाकर नष्ट कर दिया। बुधवार दोपहर के वक्त गांव निवासी लालजी का परिवार गर्मी का दिन होने के कारण घर के बाहर व कुछ सदस्य घर के अगले वाले हिस्से में बैठे हुए थे। उसी समय अज्ञात कारणों से घर में आग लग गई। घर के ऊपरी हिस्से से धुंआ उठता देख लोगों में अफरा–तफरी मच गई। शोर सुनकर जब तक ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हुई तब तक आग ने भीषण रूप ले लिया। उपस्थित लोगों ने फोन के माध्यम से डायल 112 पुलिस तथा फायर ब्रिगेड टीम को घटना की जानकारी देते हुए बाल्टी तथा सबमर्सिबल के माध्यम से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन तेज हवा होने के कारण आग बुझाया नहीं जा सका।

स्कूल जा रही छात्रा को युवक बाइक पर बैठाकर भागा

प्रयागराज। मऊआइमा थाना क्षेत्र के एक गांव की एक हाईस्कूल की छात्रा 21 अप्रैल को अपनी माता के साथ स्कूल जा रही थी। छात्रा को एक युवक अपनी बाइक पर बैठाकर भाग गया। छात्रा की मां कुछ समझ पाती तबतक बहुत देर हो चुकी थी। छात्रा की माता ने पहले रिश्तेदारों के यहां तलाश की जहां बेटी का कुछ पता नहीं चला।

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी (ADC) में आदर्श शुक्ला ने किया टॉप

प्रयागराज। इलाहाबाद डिग्री कॉलेज से मध्यकालीन इतिहास में परास्नातक की पढ़ाई कर रहे आदर्श शुक्ला ने अपनी मेहनत और लगन के बल पर कॉलेज में सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया है। आदर्श की इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे क्षेत्र को गर्वित भी किया है।

प्रयागराज जिले के करछना क्षेत्र के छोटे से गांव कोलाही से आने वाले आदर्श का सपना भारतीय सिविल सर्विस में पहुंचने का है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों और परिवार को दिया, जिन्होंने हमेशा उनका समर्थन किया। आदर्श का मानना है कि कठिनाईयों का सामना करते हुए ही सफलता प्राप्त की जा सकती है, और उन्होंने अपने अनुभवों से यह सीख लिया है कि निरंतर प्रयास और समर्पण ही किसी भी लक्ष्य को हासिल करने का सबसे प्रभावी तरीका है। आदर्श की यह उपलब्धि उन छात्रों के लिए प्रेरणा स्रोत है जो अपने सपनों को साकार करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे भविष्य में प्रशासनिक सेवा में जाकर समाज की सेवा करना चाहते हैं और अपने गांव तथा देश के विकास में योगदान देना चाहते हैं। इस प्रकार, आदर्श शुक्ला की सफलता न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह सभी छात्रों के लिए एक प्रेरणा है कि अगर इरादा मजबूत हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और आशा करते हैं कि वे अपने सपनों को पूरा करने में सफल हों।

जिस निजी विद्यालय में पढ़ रहे उसी में ले रहे आरटीई से एडमिशन

लखनऊ, संवाददाता। शिक्षा का अधिकार आरटीई अधिनियम के अर्न्तगत निःशुल्क शिक्षा का लाभ वास्तव में अपात्र लोग ही उठा रहे है। सरकार द्वारा यह योजना बीपीएल कार्ड धारक दुर्बल आय वर्ग और अलाभित समूह के बच्चों को अच्छे निजी विद्यालयों में मुफ्त शिक्षा प्रदान करने का लाभ प्रदान करती है। परन्तु बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की लापरवाही तथा नियमों की अनदेखी के चलते यह योजना मजाक बन कर रह गयी है। इसका लाभ पूरी तरह से अपात्र व सभी तरह से सक्षम लोग ही उठा रहे है। आलीशान घर, कार, अच्छी कमाई के बाद भी ये अपात्र वास्तविक दुर्बल आय वर्ग के बच्चों के हक पर डाका डाल रहे है। अस्सी हजार वार्षिक का फर्जी आय प्रमाण पत्र बनवा कर बच्चों का आरटीई में ऑनलाइन नामांकन करवा देते है। शिक्षा विभाग बिना कोई सत्यापन के लाटरी में चयनित कर निजी विद्यालयों में भेज देता है। जो बच्चा पहले से ही किसी निजी स्कूल में पढ़ रहा है, अभिभावक उसका नाम कटा कर उसी विद्यालय में आरटीई के तहत एडमिशन लेने का दबाव बना रहे है। इस कार्य में शिक्षा विभाग के अधिकारी भी बच्वें का एडमिशन लेने का अनुचित नियमविरूद्ध दबाव स्कूलों पर डाल रहे है। स्थानीय राजाजीपुरम् क्षेत्र के एक प्रसिद्ध विद्यालय में बच्चा उसी विद्यालय में यू.केजी में पढ रहा है। इसकी आरटीई पंजीकरण संख्या 272282 है। इसको एल. केजी. कक्षा उसी विद्यालय में एलाट की गयी। अभिभावक कक्षा एक में प्रवेश लेने के लिए विभाग के अधिकारियों से प्रेशर डलवा रहे है। अभिभावक फ्री की शिक्षा दिलवाने के लालच में किसी भी नियम को मानने को तैयार नहीं है। घर किसी वार्ड में है, विद्यालय किसी दूसरे वार्ड में है फिर भी एडमिशल पाने के लिए विद्यालय और विभाग के चक्कर लगा रहे है। विभाग भी उनको आरटीई प्रवेश के नियमों के बारे में नही बताता है बस लाटरी में अधिक से अधिक नाम निकाल कर मात्र अपना लक्ष्य पूरा करना चाहता है। भले ही इसका लाभ वास्तविक लाभार्थी को मिले या न मिले।

हर वार्ड में सिटी फॉरेस्ट बनाने की योजना

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी ने शहरी क्षेत्रों में हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संतुलन को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाने के संकेत दिए हैं। उन्होंने पार्षदों को निर्देश दिया है कि हर वार्ड में मिनी फॉरेस्ट या सिटी फॉरेस्ट विकसित करने की दिशा में काम किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र का विस्तार बेहद जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर निकायों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी, ताकि हर वार्ड में छोटे–छोटे वन क्षेत्र विकसित किए जा सकें।इस योजना का उद्देश्य न केवल शहरों में हरियाली बढ़ाना है, बल्कि वायु प्रदूषण को कम करना और लोगों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना है। सरकार का मानना है कि ऐसे सिटी फॉरेस्ट शहरी जीवन में पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।अधिकारियों के अनुसार इस दिशा में नगर निकायों को जमीन चिन्हित करने और पौधरोपण की योजनाओं को तेजी से लागू करने के निर्देश दिए जाएंगे। साथ ही स्थानीय स्तर पर जनता की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी।सरकार की इस पहल को शहरी विकास और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

खाली करें अवैध कब्जा, नहीं तो होगी जेल, योगी की दबंगों को खुली चेतावनी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जमीन से जुड़े विवादों के निस्तारण के लिए विशेष टीम गठित की जाएं। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इस दौरान उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उन्हें आश्वस्त किया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने लोगों के प्रार्थना–पत्र संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए तुरंत और संतोषजनक निस्तारण के निर्देश दिए और भूमि विवाद से जुड़े मामलों में उन्होंने विशेष रूप से कहा कि इनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जमीन का मालिकाना हक उसके वास्तविक स्वामी के पास ही होना चाहिए। यदि किसी व्यक्ति की जमीन पर दबंगों ने कब्जा कर रखा है, तो उसे तत्काल कब्जामुक्त कराया जाए।

डा. उमर अली शाह ने की पशु- पक्षियों को भोजन पानी देकर जान बचाने की अपील

काकीनाडा। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौंवे पीठाधीपति डॉ. उमर अली शाह ने मूक जीवों को दाना– पानी देकर गर्मियों में उनकी जान की रक्षा करने का आह्वान किया। गुरुवार की सुबह, काकीनाडा बोट क्लब में कवि शेखर डॉ. उमर अली शाह श की मूर्ति परिसर में बनाए गए बर्ड कूलिंग सेंटर, बटरमिल्क कूलिंग सेंटर और कैटल कूलिंग सेंटर का उद्घाटन नौंवे पीठाधीपति डॉ. उमर अली शाह ने किया।

इस प्रोग्राम में विधायक श्री पेराबाथुला राजशेखर, जैन एसोसिएशन के मानद अध्यक्ष श्री भंवर लाल जैन, क्लब कलेक्शन के प्रमुख श्री विजय जैन और बिजनेसमैन श्री नल्ला सत्यनारायण ने मुख्य अतिथि के तौर पर हिस्सा लिया। विधायक श्री राजशेखर ने कहा कि प्रकृति और प्रकृति में रहने वाले जीवों से प्यार करना चाहिए। विधायक श्री पेराबाथुला राजशेखर ने कहा कि चिलचिलाती गर्मी में उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट द्वारा चलाए जा रहे पक्षियों, मवेशियों और राहगीरों के लिए बटरमिल्क चिलिंग स्टेशनों की सेवाओं की व्यवस्था करना सराहनीय हैं। श्री राजशेखर ने कहा कि ग्रामीण वातावरण आज काकीनाडा शहर के केंद्र में बोट क्लब में चिलिंग स्टेशनों के रूप में देखा जा रहा है। भंवर लाल जैन ने श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ

के प्रमुख डॉ उमर अली शाह स्वामी को धन्यवाद दिया, जिन्होंने उन्हें हर साल श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के धार्मिक सद्भाव सम्मेलनों और उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट के कार्यक्रमों में भाग लेने का सौभाग्य प्रदान करते हैं। श्री भवर लाल जैन और श्री विजय जैन ने छाछ चिलिंग स्टेशन को दस–दस हजार रुपये भेंट किए। सेवानिवृत्त शिक्षक श्री नोरी बलराम कृष्ण द्वारा गाए गए कीर्तन ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

नौंवे पीठाधीपति डॉ उमर अली शाह ने कहा कि दोनों तेलुगु राज्यों में 104 आश्रम शाखाओं के माध्यम से हजारों स्वयंसेवक इस चिलचिलाती गर्मी में जैव विविधता को संरक्षित करने के लिए ताजे पानी और छाछ के शीतलीकरण स्टेशनों के अलावा पक्षी और पशुधन शीतलन स्टेशन भी चला रहे हैं।डॉ. उमर अली शाह ने उपस्थित लोगों से अपील की कि वे अपने छतों पर पक्षियों के लिए थोड़ा पानी, और अनाज रखें। साथ ही, बेजुबान जानवरों को खाना खिलाएं और भगवान की कृपा पाएं। पक्षियों के लिए कूलिंग स्टेशन का आयोजन श्री पेरुरी बाबजी ने किया।छाछ के लिए कूलिंग स्टेशन श्री कोज्जवरपु वीरभद्र राव और जानवरों के लिए कूलिंग स्टेशन श्री मारिसे नागेश्वर राव मास्टर संचालित करते हैं।

पीठम के संयोजक श्री पेरुरी सुरीबाबू, स्थानीय सयोजक श्रीमती मंदा येल्लमाम्बा, श्रीमती काकीनाडा लक्ष्मी, श्री के. सत्तीबाबू, श्री अड्डी राम सूर्य नारायण, श्रीमती उप्पला नूकरत्नम, श्रीमती करनम सुब्बालक्ष्मी, श्रीमती मदका राम लक्ष्मी और दूसरों ने इस कार्यक्रम में मैं सहयोग किया।

NGIT के छात्रों ने किया शानदार प्रदर्शन, कई विद्यार्थी बने टॉपर

प्रयागराज। नेशनल जीनियस इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (छळप्ज) के विद्यार्थियों ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम रोशन किया है। इस बार संस्थान के विद्यार्थियों ने परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त कर सफलता का परचम लहराया। खास बात यह रही कि कई विद्यार्थियों ने पहले ही प्रयास में परीक्षा पास कर अपनी प्रतिभा और मेहनत का परिचय दिया।परीक्षा में प्रीति पटेल, सौम्या परिहार, ऋषा शर्मा, आलोक कुमार, तनुजा, परम सत्संगी, नैनी मौर्या और आशीष ने शानदार अंक प्राप्त कर टॉपर के रूप में अपनी पहचान बनाई। इन विद्यार्थियों की सफलता से संस्थान में खुशी का माहौल है। सहपाठियों और शिक्षकों ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।संस्थान के निदेशक जावेद सिद्दीकी ने कहा कि छळप्ज में विद्यार्थियों को

केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक प्रशिक्षण और नियमित अभ्यास भी कराया जाता है, जिससे छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं और रोजगार के अवसरों के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें। उन्होंने बताया कि संस्थान में पढ़ाई के साथ–साथ अनुशासन, समय प्रबंधन और निरंतर अभ्यास पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, लगन और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम है। संस्थान लगातार प्रयास कर रहा है कि अधिक से अधिक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, ताकि वे अपने करियर में आगे बढ़ सकें और समाज में सकारात्मक योगदान दे सकें।

इस अवसर पर संस्थान के शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों की सफलता पर खुशी व्यक्त की और उन्हें आगे भी इसी तरह मेहनत करते रहने के लिए प्रेरित किया। संस्थान में समय–समय पर विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों और मार्गदर्शन कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़े और वे अपने लक्ष्य को हासिल कर सकें।

एनीमिया से लड़ाई में मीडिया की भूमिका अहम: अमित कुमार घोष

अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की अध्यक्षता में एनीमिया विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्री अमित कुमार घोष ने कहा कि एनीमिया बच्चों के संज्ञानात्मक विकास को प्रभावित करता है और उनकी सोचने–समझने की क्षमता को कम कर देता है, जिससे दीर्घकाल में आर्थिक हानि भी होती है।

अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य ने ये विचार एनीमिया विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला में व्यक्त किए। कार्यशाला का उद्देश्य एनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इसके प्रभावी नियंत्रण एवं उपचार के लिए मीडिया की भूमिका को सुदृढ़ करना था।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एनीमिया नियंत्रण को उच्च प्राथमिकता दी है। इस अभियान की 6•6•6 रणनीति जीवन के प्रत्येक चरण में एनीमिया की रोकथाम और उपचार पर केंद्रित है, जिसमें शिशु, किशोर और गर्भवती महिलाएं प्रमुख रूप से शामिल हैं।

श्री घोष ने बताया कि राज्य में आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से अग्रिम पंक्ति पर आयरन और फोलिक एसिड की खुराक, कृमिनाशक दवाएं, पोषण संबंधी परामर्श तथा नियमित जांच की व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। प्रदेश में 83.4 प्रतिशत प्रसव चिकित्सा संस्थानों में हो रहे हैं, जिससे माताओं और नवजात शिशुओं को रोके जा सकने वाले जोखिमों से सुरक्षा मिल रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शीघ्र ही मातृ एनीमिया के उन्नत निदान और उपचार की सुविधाएं प्रारंभ करने जा रही है। नियमित जांच के लिए डिजिटल हीमोग्लोबिनोमीटर का उपयोग किया जा रहा है तथा वर्ष 2026 में अंतःशिरा आयरन–फेरिक काबाॅक्सीमाल्टोज (प्दजतंअमदवने पतवद–थ्मततपब ब्तइव•लउंसजवेम) की 3.7 लाख खुराकें प्राप्त की गई हैं। उन्होंने बताया कि आईवी–एफसीएम मध्यम एवं गंभीर एनीमिया के लिए एक प्रभावी एकल खुराक उपचार है, जिसे गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित रूप से दिया जा सकता है और यह चिकित्सकीय रूप से प्रभावी सिद्ध हो चुका है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि केवल कार्यक्रमों की पहुंच बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि एनीमिया के प्रति जनजागरूकता अत्यंत आवश्यक है। समय पर पहचान और रोकथाम से गर्भावस्था संबंधी जटिलताओं, मातृ मृत्यु दर तथा बच्चों के संज्ञानात्मक विकास में कमी जैसे जोखिमों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

उन्होंने मीडिया की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि मीडिया गर्भवती महिलाओं में एनीमिया और उसके उपचार विकल्पों, जैसे आईवी–एफसीएम, के बारे में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है, जिससे समय पर उपचार सुनिश्चित हो सके। साथ ही उन्होंने आग्रह किया कि मीडिया मिथकों को तोड़ने और जनविश्वास बढ़ाने के लिए वास्तविक सफलता की कहानियों को प्रमुखता से प्रस्तुत करे, ताकि अधिक से अधिक लोग समय पर जांच और उपचार के लिए आगे आएं।

उन्होंने कहा कि एनीमिया की रोकथाम और उपचार संभव है, और अब आवश्यकता है कि इस विषय पर जनसामान्य में मांग उत्पन्न हो तथा मीडिया इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाकर इसे जन–जन तक पहुंचाए। कार्यशाला में जिम्स के निदेशक ब्रिगेडियर डॉ0 राकेश गुप्ता, महानिदेशक चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण श्री हरिदास अग्रवाल, महानिदेशक प्रशिक्षण श्रीमती रंजना खरे सहित अन्य विभागीय वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

दौलत के हैं यार

मकड़जाल के शब्द बहुत प्यारे लगते हैं।
बिन छुरी तलवार वार गहरे करते हैं।
मौसम के अनुरूप रंग रखकर यह अपना।
बिना किए कल्याण दिखाते हरदम सपना।
सच्चाई कहती सदा पहचानों उस गन्ध को।
खुशबू को दुर्गन्ध कह तोड़ रही मधुबन्ध को।।

पीकर दिनभर चाय दिखाते रहते सपना।
दौलत के हैं यार न समझो इनको अपना।
मिलते दूजा ठाँव परिंदे उड़ जाएंगे।
किशमिश और बादाम वहाँ पर फिर खाएँगे।
अर्थ बदलते प्यार के सब कुछ लगता है नया।
रिश्तो के इस खेल में दिल बेचारा हो गया।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

आरेडिका में पोषण पखवाड़े का आयोजन

रायबरेली। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय तथा रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार, आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका) चिकित्सालय द्वारा दिनांक 09.04.2026 से 23.04.2026 तक "पोषण पखवाड़ा" का आयोजन किया गया। इस पखवाड़े का समापन आरेडिका के महाप्रबंधक रामन कृष्णन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। "पोषण पखवाड़े" का शुभारंभ डॉ. अंजना खरे, तत्कालीन अध्यक्षा, महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षता में किया गया था। इस अवसर पर आहार विशेषज्ञ डॉ. भूमिका सिंह द्वारा "आहार से संबंधित प्रचलित भ्रांतियों" विषय पर महिला कल्याण संगठन एवं महिला कर्मचारियों को व्याख्यान दिया गया। साथ ही गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं को संतुलित पोषण एवं शिशु देखभाल के संबंध में जागरूक किया गया।

पखवाड़े के दौरान ज्ञानदा बाल मंदिर परिसर में बच्चों के मस्तिष्क विकास से संबंधित खेलों का आयोजन किया गया।

केंद्रीय विद्यालय के कक्षा 9 एवं 10 के विद्यार्थियों हेतु पोषण विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त, अभिभावकों एवं समाज को स्क्रीन टाइम के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने हेतु आरेडिका चिकित्सालय में निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

इस अवधि में गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं को योग एवं प्राणायाम के महत्व से अवगत कराया गया। माताओं को बच्चों के पूरक आहार के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से "स्वस्थ शिशु आहार प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने विभिन्न पौष्टिक व्यंजनों का प्रदर्शन किया।

समापन अवसर पर आरेडिका चिकित्सालय द्वारा वेलसन मेडिसिटी हॉस्पिटल के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 162 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। विश्व लिवर दिवस के उपलक्ष्य में सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण के साथ 86 मरीजों की बीएमडी (ठडक) तथा 56 मरीजों की फाइब्रोस्कैन (थ्इतवैबंद) जांच की गई, जिससे लाभार्थियों को अपने यकृत (लिवर) की वर्तमान स्थिति के आकलन में सहायता मिली। भारत स्काउट एवं गाइड के बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से संतुलित आहार एवं स्क्रीन टाइम कम करने का संदेश दिया गया। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. वैभव सक्सेना द्वारा स्वस्थ हृदय एवं मानसिक तनाव नियंत्रण के उपाय भी बताए गए। कार्यक्रम के अंत में महाप्रबंधक रामन कृष्णन ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया तथा चिकित्सालय द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर आरेडिका के प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी आभा जैन सहित सभी वरिष्ठ अधिकारी, डॉक्टर, यूनियन प्रतिनिधि, कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

बैंक के बेसमेंट में लगी आग, समान जलकर राख

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के विकासनगर स्थित मामा चौराहा के पास अजीत टावर बिल्डिंग के बेसमेंट में गुरुवार को सुबह 6 बजे अचानक आग लग गई। आग स्टेयरकेस के नीचे रखे कबाड़ में भड़की, जिससे पूरे बेसमेंट में धुआं भर गया। आग लगने की वजह से बेसमेंट में रखा कबाड़ का सामान जल गया। सूचना मिलते ही इंदिरा नगर फायर स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। आग के कारण बेसमेंट में धुआं भर गया था, जिसे दमकल टीम ने दरवाजे खोलकर वेंटिलेशन के जरिए बाहर निकाला। अजीत टावर के ग्राउंड फ्लोर पर एसबीआई बैंक संचालित है, जबकि ऊपरी मंजिलों पर आवासीय फ्लैट हैं। फायर टीम की मुस्तैदी से बैंक और अपार्टमेंट पूरी तरह सुरक्षित बचा लिए गए।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 14/2026 — दिनांक 21.04.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि मंडल सामग्री प्रबंधक, उ0म0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

क्रमांक	निविदा संख्या	विवरण	मात्रा	ई.म.डी. (₹)	निविदा खुलने की तिथि
1	19265739	बैटरी से चलने वाला रेल-सह-सड़क वाहन	01 नग	₹ 1,91,030/-	21.05.2026

नोट- 1. उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप मे बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको IT. Act 2000 के अर्न्तगत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंशियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म / लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 879/26(DG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

इलाज का बोझ

किसी लोक कल्याणकारी सरकार का पहला दायित्व बनता है कि वो अपने नागरिकों के लिए सस्ती व प्रभावी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये। दुनिया के तमाम देशों में सरकारों के स्तर पर ऐसी नीतियां बनी हैं कि लोगों को स्वास्थ्य संकट आने पर उपचार खर्च के तनाव का रोग अलग से नहीं लेना पड़ता है। विशेषकर बुजुर्ग आबादी का विशेष ख्याल रखा जाता है। जिस उम्र में उनका शरीर क्षीण हो रहा होता है और आय के साधन न के बराबर होते हैं, सरकारी चिकित्सा का सुरक्षा कवच बड़ा संबल होता है। विडंबना यह है कि भारत में स्वास्थ्य सेवाएं गहरे विरोधाभास से जूझ रही हैं। हमारी सरकारी चिकित्सा व्यवस्था खुद बीमार है। देश में कम स्वास्थ्य बजट, राजनीतिक हस्तक्षेप और भ्रष्टाचार के चलते सरकारी अस्पतालों में सब कुछ होते हुए भी गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को गुणवत्ता का उपचार नहीं मिल पाता है। हाल ही में सामने आए सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के एक नये सर्वेक्षण में बताया गया है कि देश की लगभग आधी आबादी के पास किसी न किसी प्रकार का स्वास्थ्य बीमा कवर है। लेकिन विडंबना यह है कि स्वास्थ्य बीमा कवर होने के बावजूद उनकी जेब से खर्च होने वाला चिकित्सा व्यय अधिक बना हुआ है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सरकार द्वारा समर्थित योजनाओं ने बीमा कवरेज के विस्तार को गति दी है। उल्लेखनीय है कि देश के ग्रामीण इलाकों में अब शहरी क्षेत्रों के मुकाबले बीमा कवरेज अधिक है। इसके बावजूद दुखद स्थिति यह है कि देश के करोड़ों परिवारों के लिए आज भी बीमार पड़ना गंभीर आर्थिक संकट पैदा कर देता है। वहीं दूसरी ओर, इस सर्वेक्षण ने एक स्पष्ट खामी को भी उजागर किया है कि आज भी अस्पताल में भर्ती होने के प्रत्येक मामले के लिए मरीज के जेब से होने वाले खर्च के औसत बिल 34,000 रुपये से अधिक हैं। यह हकीकत है कि बीमा कवरेज के बाद भी मरीजों के उपचार पर होने वाला खर्च भारत के अधिकांश आम परिवारों की वहन क्षमता से कहीं अधिक है। आखिर देश में बीमा दायरा बढ़ने के बावजूद, मरीजों पर चिकित्सा उपचार का आर्थिक बोझ लगातार क्यों बढ़ रहा है? क्या बीमा कवरेज कारोबार के लिए उत्साहित रहने वाली बीमा कंपनियों और बड़े अस्पतालों की कमाई का ही जरिया बनकर रह गया? हाल के वर्षों में इस अपवित्र गठबंधन के कई मामलों का खुलासा भी हुआ है। लेकिन नियामक तंत्र की सख्ती के अभाव में मरीजों के दोहन का यह खेल बदस्तूर जारी है। जानकार बताते हैं कि चिकित्सा उपचार की बढ़ती दर अक्सर मुद्रास्फीति से भी अधिक होती है। निस्संदेह, यह अपवित्र कारोबार मरीजों से मुनाफा कमाने वालों के मानवीय सरोकारों पर सवालिया निशान लगाता है। वैसे चिकित्सा सेवा में मुनाफा बढ़ते देख निजी स्वास्थ्य सेवाओं का दबदबा भी बढ़ा है। हाल के वर्षों में सरकारी अस्पतालों की बदहाली के चलते ज्यादातर भारतीय निजी अस्पतालों की ओर ही रुख कर रहे हैं। लेकिन वहां सरकारी अस्पतालों से कई गुना अधिक उपचार लागत होती है। कोरोना संकट में हमने देखा कि महंगे उपचार के चलते तमाम लोग गरीबी के दलदल में चले गए। दरअसल, आज हालातवश सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं वाले अस्पतालों में भर्ती होने की हिस्सेदारी घटने के साथ ही मरीजों को अनिवार्य रूप से अधिक महंगे विकल्पों की ओर धकेला जा रहा है, जिससे बीमा सुरक्षा के लाभ कम हो रहे हैं। आयुष्मान भारत जैसी प्रमुख योजनाओं का त्रुटिपूर्ण कार्यान्वयन भी एक और बाधा बनी है। वहीं देर से मिलने वाली सरकारी चिकित्सा बीमा राशि भी मरीजों के लिए किफायती सेवाओं को बाधित कर रही है। यदि इन सरकारी योजनाओं में सूचीबद्ध अस्पताल मरीजों के उपचार से पीछे हट जाते हैं तो सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित बीमा की अवधारणा खतरे में पड़ जाती है, जिससे वंचित होने से नागरिकों का उपचार अधर में लटक जाएगा। निस्संदेह, बीमा कवरेज ही काफी नहीं है, देश को अपने सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे को भी मजबूत करना होगा। साथ ही सरकारी योजनाओं के तहत समय पर भुगतान सुनिश्चित करना होगा। अन्यथा अस्पताल के बिल मजबूर लोगों की आय व बचत को पलीता लगाते रहेंगे।

महिला आरक्षण की आड़ में लोकतंत्र के एन्काउंटर का खेल

राजेन्द्र शर्मा

महिला आरक्षण का रास्ता साफ करने के नाम पर बुलायी गयी संसद की तीन दिन की विशेष बैठक में, जब संसद में सरकार की ओर से पेश, संविधान संशोधन समेत तीन विधेयकों पर चर्चा शुरू हो रही थी, तभी सरकार की ओर से इसकी अधिसूचना जारी की गयी कि, 2023 के सितंबर में 106वें संविधान संशोधन के जरिए, महिलाओं के लिए एक-तिहाई का आरक्षण का जो कानून संसद ने लगभग एक राय से पास किया था, वह इसी 16 अप्रैल 2026 से लागू हो गया है! कानून की बारीकियों की ज्यादा जानकारी न रखने वाले आम पाठकों को बेशक इस खबर ने कुछ उलझन में डाला होगा। महिलाओं के लिए जिस एक-तिहाई आरक्षण के नाम पर संविधान संशोधन लाया जा रहा था, उसी आरक्षण का लागू होना शुरू होने का ऐलान किया जा रहा था! बेशक, इस उलझन के पीछे का तकनीकी कानूनी पेंच सामने आने में ज्यादा समय नहीं लगा।महिला आरक्षण कानून को अधिसूचित करना इसलिए जरूरी था कि सरकार इस कानून में संशोधन का प्रस्ताव लायी थी और अधिसूचित हुए बिना ही इस कानून में संशोधन का प्रस्ताव करना, एक विसंगति होती। बहरहाल, मोदी सरकार की इस तकनीकी मजबूरी ने, लोकसभा तथा विधानसभाओं में एक-तिहाई आरक्षण के मामले में, मोदीशाही के पाखंड की पोल पूरी तरह से खोलकर रख दी। तीन साल पहले, 2023 में संसद में लगभग सर्वसम्मति से (लोकसभा में सिर्फ दो एमआईएम सदस्यों के अपवाद को छोड़कर) स्वीकृत इस संविधान संशोधन के बाद, मोदी सरकार ने इस मुद्दे पर क्या किया था? वह इसे पूरी तरह से भूलकर तीन साल सोयी रही थी, जब तक कि उसकी चाणक्य बुद्धि में महिला आरक्षण की आड़ में और बड़ा एडवांटेज लेने का आइडिया नहीं आ गया! इस सिलसिले में यह याद दिलाना भी अप्रासांगिक नहीं होगा कि 2023 में जब महिला आरक्षण संबंधी संविधान संशोधन स्वीकार किया गया था, तभी मोदीशाही ने यह सुनिश्चित कर दिया था कि अगले ही साल होने वाले आम चुनावों की तो बात दूर, 2029 के तथा और अगले आम चुनावों तक भी इसको लागू नहीं किया जा सके। वास्तव में, मोदीशाही में नंबर-दो, अमित शाह ने खुद सार्वजनिक रूप से इस आशय के दावे किए थे कि इसमें चार करीब चार साल लगेंगे। और यह किया गया था, महिला आरक्षण के लागू होने के साथ, नयी जनगणना और 2026 के बाद की जनगणना के बाद, होने वाले परिसीमन या डिलिमिटेशन की शर्त जोड़ने के जरिए। तभी वामपंथ समेत लगभग समूचे विपक्ष ने आग्रह किया था कि जनगणना और परिसीमन की शर्तों को हटाकर, लोकसभा के 557 सदस्यों के वर्तमान रूप से ही एक-तिहाई आरक्षण की व्यवस्था शुरू की जाए, जिसे अगले आम चुनाव से ही लागू किया जा सकता था। दूसरी ओर, जबकि 2021 की जनगणना की 2023 तक शुरूआत तक नहीं की गयी थी और वास्तव में अमित शाह आम चुनाव के बाद ही जनगणना शुरू होने की घोषणाएं कर रहे थे, उक्त दोनों शर्तें पूरी होकर आरक्षण लागू होने में, 2034 के आम चुनाव चुनाव तक का समय लग सकता था। लेकिन, मोदीशाही ने विपक्ष के इन सुझावों को, जो वास्तव में महिला आरक्षण के लिए तीन दशक से ज्यादा से लगातार संघर्ष कर रहे देश के जनतांत्रिक महिला आंदोलन के भी सुझाव थे, मोदीशाही ने सीधे-सीधे खारिज कर दिया था। इसकी सीधी सी वजह यही थी कि मोदीशाही की संघ-बुद्धि को यह मंजूर नहीं था कि पुरुष सांसदों की वर्तमान संख्या में किसी तरह की कमी कर के, महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित की जाएं। इसके बजाय, पुरुष सांसदों की संख्या सुरक्षित रखते हुए, कुल सीटों की संख्या बढ़ाने के बाद ही, उसमें से महिलाओं को तिहाई हिस्सा देना वे स्वीकार कर सकते थे। यह दूसरी बात है कि इतना भी, संघ-भाजपा के मूल वैचारिक रुझान को देखते हुए, बहुत थोड़ा नहीं है। इसीलिए, संघ-भाजपा हलकों में भीतर-भीतर, महिला आरक्षण के खिलाफ विरोध की आग सुलगती रही है। यह भी वजह है कि प्रमुख राजनीतिक पार्टियों में भाजपा का ही, निर्वाचित निकायों के लिए महिला उम्मीदवार खड़े करने और जिताने में सबसे खराब रिकार्ड रहा है। फिर भी कोई यह पूछ सकता है कि मान लिया कि 2023 में जो कानून बनाया गया था, उसमें यह कमी थी कि उसके तहत आरक्षण लागू होने के लिए महिलाओं को एक दशक तक इंतजार करना पड़ सकता था। इस कमी को दूर करने के लिए और महिला आरक्षण की मांग को निकट भविष्य से ही व्यावहार्य बनाने के लिए, अगर मोदी सरकार संबंधित नारी वंदन अधिनियम में संशोधन करना चाहती थी, तीन साल इस मुद्दे पर बैठे रहने के बाद ही सही, अब इस कमी को दूर करना चाहती थी, तो क्या विपक्ष को इसमें मददगार नहीं होना चाहिए था, जो महिला आरक्षण का समर्थक होने का दम भरता है। बेशक, विपक्ष को मददगार होना चाहिए था और इसमें अपने अहंकार को आड़े नहीं आने देना चाहिए था। लेकिन, शर्त यह थी कि मोदीशाही 2023 के कानून में समझ-बूझ कर जोड़ी गयी इस कमी को दूर करने का प्रयास कर रही होती। पुनरू जैसा कि अधिकांश विपक्षी नेताओं ने बार-बार सुझाया, 2023 के कानून से जनगणना और परिसीमन की शर्तों को हटाने के लिए आवश्यक संशोधन करने के जरिए, एक-तिहाई आरक्षण का रास्ता अगले चुनाव से ही खोला जा सकता है। लेकिन, मोदीशाही को इस तरह का सुधार मंजूर नहीं हुआ। यहां तक कि लोकसभा में मोदी सरकार द्वारा प्रस्तावित संविधान संशोधन के गिर जाने और उसके बाद सरकार के तीनों विधेयकों का अपना पैकेज वापस ले लेने के बाद भी, राज्य सभा में द्रमुक की एक सांसद ने उक्त सुधार के लिए एक निजी संकल्प रखा था, लेकिन उसे खारिज ही कर दिया गया। दरअसल, महिला आरक्षण पर अमल का रास्ता बनाने की आड़ में, सरकार कुछ और ही दांव खेल रही थी। इस दांव का नाम है, परिसीमन या डिलिमिटेशन। सभी जानते हैं कि हमारे देश में परिसीमन की प्रक्रिया पर एक प्रकार से राजनीतिक सर्वसम्मति से दो दशक से ज्यादा से रोक लगी हुई थी। 2001 की जनगणना को आधार बनाकर हुए परिसीमन के बाद, देश में परिसीमन पर 2026 के बाद की जनगणना तक के लिए रोक लगा दी गयी थी। अन्य कारणों के अलावा, इसका सबसे बड़ा कारण यही था कि आबादी नियंत्रण समेत विकास के लक्ष्यों के मामले में, देश के विभिन्न हिस्सों में भारी अंतर था और उत्तर तथा दक्षिण के बीच खासतौर पर ज्यादा गहरी खाई थी।

ग्रामीण बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए एएसआरएचएमसी और यूएआरडीटी के प्रयास जारी

ताडेपल्लीगुडेम। राष्ट्रीय पोषण मिशन को महत्वपूर्ण बढ़ावा देते हुए, एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज (एएसआरएचएमसी) तथा उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट (यूएआरडीटी) के सहयोग से 8वें पोषण पखवाड़ा के लिए दो दिवसीय विशाल जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। गहन अभियान 2026 के राष्ट्रीय विषय पर केंद्रित थारू जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क के विकास को अधिकतम करना।

इस पहल ने दस परिधीय क्लीनिकों और एएसआरएचएमसी अस्पताल में हजारों देखभालकर्ताओं को संगठित किया। यह अभियान जैविक वास्तविकता पर केंद्रित है कि पहले 1,000 दिन – गर्भधारण से लेकर बच्चे के दूसरे जन्मदिन तक – आजीवन आईक्यू, प्रतिरक्षा और समग्र स्वास्थ्य का निर्धारण करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण अवधि है।

एएसआरएचएमसी सेमिनार हॉल में एक उच्च स्तरीय सेमिनार को संबोधित करते हुए, प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. आनंद कुमार पिंगली ने माता-पिता और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को एक आकर्षक संदेश दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तंत्रिका विज्ञान पुष्टि करता है कि मस्तिष्क का 85: विकास छह साल की उम्र तक पूरा हो जाता है। डॉ. पिंगली ने चेतावनी दी कि इस अवधि के दौरान पोषण या मानसिक उत्तेजना की उपेक्षा करने से इष्टतम संज्ञानात्मक विकास का अवसर खो जाता है जिसे कभी भी पुनर्प्राप्त नहीं किया जा सकता है।

इस वर्ष के अभियान की आधारशिला स्तनपान कराने वाली माँ की महत्वपूर्ण भूमिका थी। डॉ. पिंगली ने माँ के आहार को शिशु के लिए अप्रत्यक्ष जीवन रेखा बताया, और कहा कि यदि माँ कुपोषित है तो बच्चे का संज्ञानात्मक विकास प्रभावित होता है। अभियान ने स्वस्थ विकास चक्र में आवश्यक पहला कदम के रूप में पोषणकर्ता के लिए पोषण की वकालत की।

डॉ. अर्ला महेश कुमार और प्रशिक्षु डॉ. एम. असवंत के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में, टीम ने दिखाया कि कैसे होम्योपैथी बाल चिकित्सा देखभाल के लिए एक सुरक्षित और सौम्य ढाल के रूप में कार्य करती है। स्वाभाविक रूप से स्तनपान में सहायता करके और संवैधानिक उपचार के माध्यम से प्रतिरक्षा को बढ़ाकर, होम्योपैथी यह सुनिश्चित करती है कि बच्चे की ऊर्जा बीमारी से लड़ने के बजाय मस्तिष्क के विकास पर खर्च हो। दवा की मधुर प्रकृति नवजात शिशुओं के लिए आघात-मुक्त अनुभव भी सुनिश्चित करती है।

आउटरीच कार्यक्रम ने समर्पित गाँव दौरों की एक श्रृंखला के माध्यम से महत्वपूर्ण जमीनी स्तर पर प्रभाव हासिल किया। 22 अप्रैल को, वल्लुरुपल्ले गांव और दारसीपार्रू में एमपीपीएस प्राथमिक और आंगनवाड़ी स्कूलों में गहन जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। गति 23 अप्रैल को ताडेपल्लीगुडेम और डार्सिपार्रू परिधीय ओपीडी में नैदानिक घ्घ्सेवाओं के साथ जारी रही, इसके बाद पेंटापाडु एमपीपीएस, बोडापाडु एमपीपीएस और पिप्पारा में जेडपीपी हाई स्कूल में स्वास्थ्य जांच और शैक्षिक अभियान चलाया गया।

तंत्रिका स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक कदम में, अभियान ने डिजिटल महामारी के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की। राष्ट्रीय दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, एएसआरएचएमसी ने दो साल से कम उम्र के बच्चों के लिए जीरो स्क्रीन टाइम की सलाह दी। माता-पिता से आग्रह किया गया कि वे दैनिक नो-स्क्रीन-आवर को अपनाएं, गहरे तंत्रिका संबंधों को बढ़ावा देने के लिए स्मार्टफोन की जगह परिवार के साथ खेलने के समय और पारंपरिक कहानी सुनाएं। राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग और भारत सरकार के विकसित भारत दृष्टिकोण के साथ जुड़कर, एएसआरएचएमसी और यूएआरडीटी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक पोषण विज्ञान के लाभ ग्रामीण भारत के दिल तक पहुंचें।

सीमा वर्णिका की कलम से

'विवशता'

राजन का मन बहुत खराब था।आज प्रिया ने उसके प्रेम प्रस्ताव को पूरी तरह से ठुकरा दिया था।

प्रिया उसके बैच की होनहार रिसर्च स्कॉलर थी।..बेहद खूबसूरत ..उतनी ही सौम्य स्वभाव की..अच्छी दोस्त भी थी।

क्या हो गया है मुझे ..सारा जहाँ सूना सा लग रहा ..लगता किसी ने इन्द्रधनुष के सारे रंग चुरा लिए ..बस काले मेघ घिरें हैं ..चारों तरफ़ अंधकार छा रहा है,ष्राजन शून्य में खोया सोच रहा था।

प्रिया का मन भी बहुत उदास था वह भी दुपट्टे से आँखों की कोरों को पोंछती हुई कॉलेज के मेन गेट की ओर तेजी से निकल गयी।

प्रिया को जाते देख राजन उसके पीछे-पीछे भागा ।

ष्एक बार प्रिया से पूछेगा जरूर कि उसे मुझमें क्या कमी दिखी जो मेरे साथ ऐसा किया, ष्राजन मन ही मन सोच रहा था।

प्रिया एक ऑटो में बैठते हुए बोली,ष्भइया पुरानी बस्ती ले चलो ष्

राजन अपनी बाइक से उसका पीछा कर रहा था ।ऑटो से उतर कर प्रिया तेजी से एक सँकरी सी गली में घुस गयी।

राजन को आश्चर्य हो रहा था,ष्प्रिया यहाँ ..इस बस्ती में क्यों ..हो सकता है किसी काम से आयी हो ष्

उत्सुकतावश वह पीछे पीछे चलता रहा।

ष्आ गयीं तुम, ष्अंदर से एक भारी सी आवाज़ आयी।

प्रिया अंदर चली गयी।

राजन की निगाह नेमप्लेट पर पड़ी। वह जैसे सातवें आसमान से नीचे गिरा हो उसकी आँखों के आगे अँधेरा छा गया।

उसका गला सूख रहा था ..उसे माँ की बात याद आ रही थी कि उसे जल्दी ही पोते पोतियों की किलकारियां सुनना है। कोई उसके कान पर जैसे जोर जोर से तालियाँ पीट रहा हो। वह वहाँ से तेजी से भागा।

ष्मैं इतना बड़ा बलिदान नहीं दे सकता हूँ,ष्राजन बुदबुदा रहा था उसकी प्रेम की सारी खुमारी गायब हो गयी थी।

ष्मै विवश हूँ राजन, कमी तुममें नहीं मुझमें है । मुझे माफ़ कर देना,ष्व्हाटसप्प पर प्रिया का मैसेज पड़ा था।

सीमा वर्णिका, कानपुर

तुम मुझे वोट दो, मैं तुम्हें गलत इतिहास बताऊंगा

भाजपा के मौजूदा दौर के नेताओं को इतिहास, ऐतिहासिक तथ्यों और तर्कों से शायद परहेज है, या फिर उन्हें हिंदुस्तान की जनता की सहज बुद्धि और सामान्य ज्ञान पर संदेह है। वे सोचते हैं कि सार्वजनिक तौर पर वे कुछ भी गलतबयानी करें, लोग उन्हें सही मानेंगे और वोट भी उन्हीं को देंगे। जैसे प. बंगाल चुनाव में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने एक रैली में कहा कि, श्स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि श्तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगाश्।श जबकि स्कूल के विद्यार्थी भी अच्छे से जानते हैं कि यह नारा नेता सुभाष चंद्र बोस ने दिया था। 1944 में इंडियन नेशनल आर्मी (आईएनए) के सैनिकों को प्रेरित करने के लिए नेताजी द्वारा दिया गया यह नारा आजादी की लड़ाई का सर्वाधिक प्रेरणादायी नारा बन गया। ठीक वैसे ही जैसे नेहरूजी के बाद जब शास्त्रीजी प्रधानमंत्री बने और 1965 में पाकिस्तान के साथ जंग छिड़ी, वहीं देश में अन्न का संकट भी कायम हुआ, तो सेना के जवानों और साथ ही किसानों के लिए सम्मान दिखाने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए शास्त्रीजी ने जय जवान, जय किसान का नारा दिया था। प्रचारतंत्र में पारंगत भाजपा को तो यह बात अच्छे से समझ आती होगी कि ऐसे वनलाइनर या स्लोगन यानी कम शब्दों में बड़ा संदेश देने वाले नारे किस तरह समाज को नयी दिशा दे देते हैं। लेकिन फिर भी उसके नेता इसमें उद्धरण देते हुए सावधानी नहीं बरतते। वैसे तो प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या ऐसे ही किसी बड़े ओहदे पर बैठे लोगों से यह सामान्य अपेक्षा होती है कि उन्हें अपने ही देश के इतिहास के बारे में चर्चित बातें तो ठीक से पता होंगी। लेकिन भाजपा कभी इस अपेक्षा पर पूरी नहीं उतरती। ज्यादा अफसोस की बात यह है कि अगर कुछ नहीं पता तो उसे सीखा जा सकता है, पढ़ा जा सकता है, खुद को इतिहास से, सामान्य ज्ञान से वाकिफ रखा जा सकता है। लेकिन देश की यह सबसे बड़ी पार्टी अज्ञानता को ही सबसे बड़ा गुण बनाने पर तुली है। उसी बात पर घमंड कर सकती है कि उसके नेता अपनी डिग्री नहीं दिखाते और पढ़े-लिखे लोगों का मजाक उड़ाती है। जब प्रधानमंत्री मोदी ही हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पढ़े लोगों का मखौल बनाते हुए कहते हैं कि हम हार्डवर्क वाले हैं, हार्वर्ड वाले नहीं, तो बाकी नेताओं से भी समझदारी की उम्मीद क्या की जाए? दरअसल यहां उनकी हीनग्रंथि ही नजर आती है। हालांकि हीनता का भाव यहां हटाया जा सकता है। कोई हार्वर्ड में पढ़े या देश के किसी अन्य संस्थान से पढ़े, लोकतंत्र में एक नेता से सबसे बड़ी अपेक्षा यही रहती है कि वह संविधान का सम्मान करे और उदार दृष्टिकोण से इतिहास, संस्कृति, विज्ञान, कला जैसे सारे विषयों को फलने-फूलने दे। लेकिन भाजपा में यह माहौल दिन ब दिन खत्म किया जा रहा है। संस्कृति जैसे विराट शब्द को भाजपा ने सनातन धर्म के दायरे में ही कैद कर दिया है, विज्ञान के लिए इतना ही सरोकार है कि अगर किसी अंतरिक्ष कार्यक्रम में सफलता मिले तो प्रधानमंत्री मोदी उसका श्रेय लेने के लिए आगे आ जाएं। लेकिन वैज्ञानिक नजरिए की कोई जगह नहीं है। इसलिए प्लास्टिक सर्जरी को ये गणेश भगवान से शुरु बता देते हैं और पुष्पक विमान को विकसित भारत का सच बताते हैं। कला से भी इनका सरोकार वहीं तक है, जहां तक कलाकार भाजपा के फायदे का प्रचार करें, वहीं तक रचनात्मक या कलात्मक आजादी है, उसके बाद तरह-तरह के प्रतिबंध नजर आते हैं। और इतिहास की जहां तक बात है, तो इसे वे वामपंथी नजरिए से लिखा मानते हैं और अपना नया इतिहास लिखने में लगे हैं। इसलिए अब अकबर को महान नहीं कहा जाता और हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप को जीता हुआ बताया जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तो एक से बढ़कर एक ऐतिहासिक तथ्यों की गलतबयानी कर चुके हैं, लेकिन कभी इसके लिए उन्होंने खेद प्रकट किया हो, ध्यान नहीं पड़ता। एक बार महात्मा गांधी का पूरा नाम श्री मोदी ने मोहनदास की जगह मोहनलाल कह दिया था। फिर एक भाषण में कहा कि सिकंदर की सेना ने पूरी दुनिया पर जीत हासिल की, लेकिन बिहारियों से हार गई। यही कारण है कि वह? इस देश की ताकत है। रोचक बात यह है कि इस गलती को नीतीश कुमार ने अपनी रैलियों में सही किया था कि सिकंदर की सेना ने कभी गंगा नदी को पार नहीं किया और उन्हें बिहारियों ने नहीं हराया था। तथ्य यही है कि सिकंदर ने झेलम नदी पार की थी, गंगा नहीं। लेकिन तथ्यों से मोदीजी को क्या, इसलिए एक बार वे तक्षशिला को बिहार में भी बता चुके हैं। यहां तक कि जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बारे में वे भी गलत बोल चुके हैं। नरेन्द्र मोदी ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्प्राउड सन ऑफ गुजरातश कहा था। उन्होंने मुखर्जी को लंदन में इंडिया हाउस बनाने का श्रेय दिया। उन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नाम लेकर कहा कि उनका निधन 1930 को हुआ और मरने से पहले उन्होंने इच्छा जाहिर की कि उनकी राख को रख दिया जाए, जिससे वह भारत लौटकर भारत को आजाद करवा पाएं। दरअसल मोदीजी को श्यामजी कृष्ण वर्मा के बारे में बताना था, जिनका जन्म गुजरात में हुआ था और इंडिया हाउस भी उन्होंने ही बनाया था। श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म तो कोलकाता में हुआ था और उनका निधन 1953 में हुआ था। कई सालों से नरेन्द्र मोदी जो मन में आए, वैसी बातें इतिहास के संदर्भ में कहते हैं और उन पर छिटपुट खबरों के अलावा कोई चर्चा नहीं होती। जबकि भारत की जनता को ही इस बारे में उनसे सवाल करने चाहिए कि वे किस तरह गलत या मनमानी बात कहकर आगे बढ़ सकते हैं। जिम्मेदारी तय न करने का रवैया अब तक चलता रहा है, इसलिए तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा जैसे ऐतिहासिक नारे को गलत संदर्भ के साथ बोला गया। इससे पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शहीदे आजम भगत सिंह के असेम्बली में बम फेंकने की घटना के बारे में कहा था कि उन्होंने कांग्रेस सरकार के खिलाफ ऐसा किया। मोदी सरकार ने तो जलियांवाला बाग जैसे स्मारक का भी सौंदर्यीकरण करवा दिया, मानो वह कोई पिकनिक की जगह हो। यह उन तमाम शहीदों का अपमान है, जिन्होंने आजादी की लड़ाई में जान की कुर्बानी दी। बहरहाल, आदित्यनाथ योगी को अब तक पता चल ही गया होगा कि उन्होंने कितनी बड़ी गलती की। टीएमसी और कांग्रेस जैसे दलों ने उनकी काफी आलोचना भी की है। लेकिन क्या इसके बावजूद भाजपा इतिहास का लापरवाह पाठ करती रहेगी, यह विचारणीय है।

जैकलीन फर्नांडीज ने ग्लोबल चेंजमेकर्स के साथ मिलकर महिलाओं की आवाज को किया बुलंद

> यह महिलाओं का सम्मान करने और वैश्विक स्तर पर उनकी आवाज बुलंद करने की एक खूबसूरत पहल है! खुशियों को चुनने और हर दिन सम्मानित होने की शुभकामनाएं!"

जैकलीन फर्नांडीज आज एक ऐसी ग्लोबल पर्सनैलिटी के रूप में सामने आती हैं, जो सहजता से सकारात्मकता और उद्देश्य का संगम पेश करती हैं। सीमाओं से परे अपनी पहचान बनाने वाली जैकलीन लगातार अपने मंच का उपयोग सार्थक चर्चाओं के लिए करती हैं, खासकर उन मुद्दों के लिए जो महिला सशक्तिकरण और वैश्विक एकता से जुड़े हैं। हाल ही में उनका इंस्टाग्राम पोस्ट, डब्लयूडीआई टूगैदर जैसी पहल के साथ जुड़कर, इसी सोच को दर्शाता है, जहां वह अंतरराष्ट्रीय आवाजों के साथ मिलकर महिलाओं को सेलिब्रेट करती हैं और उनकी कहानियों को दुनिया भर में पहुंचाती हैं।"यहां, वहां और हर जगह chiaratilesi, मुझे @wditogether का हिस्सा बनाने के लिए धन्यवाद! यह महिलाओं का सम्मान करने और वैश्विक स्तर पर उनकी आवाज बुलंद करने की एक खूबसूरत पहल है! खुशियों को चुनने और हर दिन सम्मानित होने की शुभकामनाएं!" जैकलीन के लिए ये शब्द सिर्फ एक कैप्शन नहीं हैं, बल्कि एक ऐसी जीवनशैली का प्रतिबिंब हैं जो सीमाओं, संस्कृतियों और संवादों से परे है। ग्लोबल चेंजमेकर्स के साथ डब्लयूडीआई टूगैदर जैसी पहल में शामिल होकर जैकलीन एक बड़े उद्देश्य को अपनाती हैं महिलाओं को सेलिब्रेट करना और उनकी आवाज को पूरी दुनिया में पहुंचाना। "हर दिन खुश रहने और सेलिब्रेट होने का चुनाव" करने का उनका संदेश उनकी निजी सोच को दर्शाता है, जो कृतज्ञता, सकारात्मकता और जुड़ाव पर आधारित है,एक ऐसा विश्वास जिसे वह हर काम में सहजता से निभाती हैं। ग्लोबल प्लेटफॉर्म्स पर जैकलीन की मौजूदगी उनकी गर्मजोशी और सकारात्मक ऊर्जा से भरी होती है, जो स्वाभाविक रूप से लोगों को जोड़ती है। अपने काम, सामाजिक पहल और सहयोग के जरिए वह लगातार समावेशिता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देती हैं, हमेशा दयालुता और आशावाद के साथ आगे बढ़ते हुए। डंलम डनेा जैसी प्रेरणादायक ग्लोबल पर्सनैलिटीज के साथ उनका जुड़ाव यह दिखाता है कि वह इंडस्ट्री से परे जाकर भी गहरे रिश्ते बनाने में सक्षम हैं, जो उन्हें एक सच्ची अंतरराष्ट्रीय पहचान देता है। इन सबके केंद्र में है उनका अटूट विश्वास जीवन को सेलिब्रेट करना और दूसरों को ऊपर उठाना। जैकलीन सिर्फ वैश्विक चर्चाओं का हिस्सा नहीं बनतीं, बल्कि अपनी सच्चाई, संवेदनशीलता और सकारात्मक दृष्टिकोण से उन्हें एक नई ऊंचाई देती हैं। उनका सफर एक आधुनिक वैश्विक नागरिक की कहानी है, जो अपनी जड़ों पर गर्व करते हुए दुनिया को खुले दिल से अपनाती है। ऐसे दौर में जहां प्रभाव अक्सर आंकड़ों से मापा जाता है, जैकलीन फर्नांडीज अपनी उस ऊर्जा के लिए अलग पहचान रखती हैं जो दयालुता, खुशी, उद्देश्य और हमेशा रहने वाली सकारात्मकता से भरी है।

रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' ने यूके बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल, पठान का रिकॉर्ड तोड़ा

फिल्म धुरंधर 2 के साथ रणवीर सिंह ने इंटरनेशनल बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। खासतौर पर यूनाइटेड किंगडम में फिल्म ने ख4.388 मिलियन की कमाई कर ली है, जो शाहरुख खान की फिल्म पठान (ख4.380 मिलियन) से भी ज्यादा है। फिल्म अभी भी सिनेमाघरों में चल रही है और वहां की सबसे बड़ी फिल्मों में शुमार हो चुकी है। इसमें रणवीर के 'हमजा' और 'जसकीरत' जैसे किरदारों को खूब सराहा जा रहा है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि पिछले दो दशकों से यूके मार्केट पर खान सुपरस्टार्स का दबदबा रहा है। अब रणवीर सिंह ने इस ट्रेंड को बदलते हुए खुद को वहां का नया बॉक्स ऑफिस किंग साबित कर दिया है। उन्होंने इंटरनेशनल स्तर पर कई रिकॉर्ड बनाए हैं हिंदी फिल्मों में 1000 करोड़ क्लब की शुरुआत करने से लेकर अल्लू अर्जुन की पुष्पा को पीछे छोड़ने तक। रणवीर सिंह की सफलता सिर्फ यूके तक सीमित नहीं है। नॉर्थ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी जैसे मार्केट्स में भी उनकी फिल्मों का जलवा देखने को मिल रहा है। यहां तक कि खाड़ी देशों में बैन जैसी चुनौतियों के बावजूद उनकी लोकप्रियता पर असर नहीं पड़ा है। भारत में भी वह 1000 करोड़ हिंदी नेट क्लब के संस्थापक बन चुके हैं, जिसने सफलता के नए मापदंड तय किए हैं। यह दौर रणवीर सिंह की शानदार वापसी को भी दर्शाता है। कुछ समय के ठहराव के बाद उन्होंने जिस तरह से हर मार्केट में अपनी पकड़ बनाई है, वह किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है। उनकी फिल्मों की निरंतर सफलता और दर्शकों के बीच उनकी लोकप्रियता यह साफ दिखाती है कि वह इस समय इंडस्ट्री में सबसे आगे खड़े हैं। मौजूदा स्थिति को देखते हुए कहा जा सकता है कि रणवीर सिंह न सिर्फ अपनी पीढ़ी का नेतृत्व कर रहे हैं, बल्कि भारतीय सिनेमा को एक नए स्तर पर ले जा रहे हैं। उनकी उपलब्धियां यह साबित करती हैं कि वह उस मुकाम तक पहुंच चुके हैं, जहां आज के दौर में बहुत कम कलाकार पहुंच पाते हैं। कुछ हफ्ते पहले आई रिपोर्ट्स में भी यह सामने आ चुका था कि धुरंधर 2 इंटरनेशनल मार्केट में शानदार प्रदर्शन कर रही है। खासतौर पर यूके में फिल्म ने पिछली कई बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ते हुए अपनी मजबूत पकड़ बना ली है।

डार्लिंग के 16 साल: वह फिल्म जिसने प्रभास को हर दिल का चहेता सुपरस्टार बनाया

> डार्लिंग ने न केवल बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की, बल्कि प्रभास को वह टाइटल भी दिलाया जो आज उनकी पहचान बन गया है। फैंस आज भी उन्हें प्यार से डार्लिंग कहकर बुलाते हैं।

सोलह साल बीत जाने के बाद भी फिल्म श्डार्लिंगश दर्शकों के दिलों में उसी तरह बसती है। यह केवल एक रोमांटिक कॉमेडी नहीं है, बल्कि प्रभास के करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ भी साबित हुई। आज प्रभास पूरे भारत में सुपरस्टार हैं, लेकिन उनके सफर की शुरुआत इसी सरल और जादुई अंदाज वाली फिल्म से हुई थी। अब जब यह फिल्म अपनी सालगिरह पर फिर से थिएटर में रिलीज हो रही है, फैंस को उस दौर की पुरानी यादें ताजा करने का मौका मिल रहा है। डार्लिंग ने न केवल बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की, बल्कि प्रभास को वह टाइटल भी दिलाया जो आज उनकी पहचान बन गया है। फैंस आज भी उन्हें प्यार से डार्लिंग कहकर बुलाते हैं। इस फिल्म ने उनके सहज और दिलकश अंदाज को पर्दे पर सामने लाकर उन्हें लोगों के करीब पहुंचाया। फिल्म में काजल अग्रवाल और प्रभास की जोड़ी ने बेहद सहज और आकर्षक केमिस्ट्री पेश की। इस शानदार तालमेल ने रोमांटिक और कॉमिक दोनों ही मोमेंट्स को यादगार बना दिया। ए. करुणाकरण के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने रोमांस, कॉमेडी और इमोशन का ऐसा मिश्रण दिखाया कि हर उम्र के दर्शक इसे बार–बार देखने को तैयार रहते हैं। डार्लिंग ने प्रभास को घर–घर में मशहूर बनाने में अहम भूमिका निभाई और उन्हें पैन–इंडिया सुपरस्टार बनने की नींव दी। अब जब यह फिल्म थिएटर में दोबारा रिलीज हो रही है, फैंस को उस पुराने जादू को फिर से जीने का अवसर मिल रहा है। यह सिर्फ एक फिल्म का जश्न नहीं है, बल्कि उस सफर का भी उत्सव है जिसने प्रभास को भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक बना दिया।

फिल्म 'एक दिन' के लिए खास म्यूजिकल इवेंट का ऐलान, 26 अप्रैल को मुंबई में सजेगी महफिल

आमिर खान प्रोडक्शंस की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एक दिन' को लेकर दर्शकों में पहले से ही खास उत्साह बना हुआ है। एक सॉफ्ट, भावनात्मक और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी पर आधारित इस फिल्म में साई पल्लवी और जुनैद खान की फ्रेश जोड़ी नजर आने वाली है। ट्रेलर और गानों की झलक सामने आने के बाद से ही फिल्म ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इसकी सादगी भरी कहानी और संगीत की झलक ने इसे पहले ही चर्चा में ला दिया है। इसी उत्साह को और बढ़ाने के लिए फिल्म के निर्माताओं ने एक खास म्यूजिकल इवेंट 'एक दिन की महफिल' आयोजित करने का फैसला किया है। इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक, यह विशेष कार्यक्रम 26 अप्रैल को मुंबई के एसएनडीटी कॉलेज, सांताक्रूज में आयोजित किया जाएगा। यह केवल एक प्रमोशनल इवेंट नहीं, बल्कि फिल्म के संगीत और उसकी भावनात्मक दुनिया को करीब से महसूस करने का एक अनोखा अवसर भी होगा। इस खास शाम में फिल्म के गानों को लाइव परफॉर्मेंस के जरिए पेश किया जाएगा, जिससे दर्शकों को एक अंतरंग और यादगार अनुभव मिलने की उम्मीद है। इस इवेंट में आमिर खान, साई पल्लवी, जुनैद खान और फिल्म के संगीतकार राम संपत जैसे प्रमुख नामों के शामिल होने की संभावना है। उनकी मौजूदगी इस शाम को और भी खास बनाएगी, जहां संगीत और भावनाएं एक साथ मंच पर जीवंत होती नजर आएंगी।'एक दिन' की एक और खास बात यह है कि इसके साथ आमिर खान और निर्देशक मंसूर खान की चर्चित जोड़ी एक बार फिर साथ काम कर रही है। इससे पहले यह जोड़ी 'कयामत से कयामत तक', 'जो जीता वही सिकंदर', 'अकेले हम अकेले तुम' और 'जाने तू... या जाने ना' जैसी यादगार फिल्में दे चुकी है। ऐसे में दोनों का दोबारा साथ आना फैंस के लिए बेहद खास माना जा रहा है। सुनील पांडे के निर्देशन में बनी इस फिल्म को आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। 'एक दिन' 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है और दर्शक इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहें हैं।

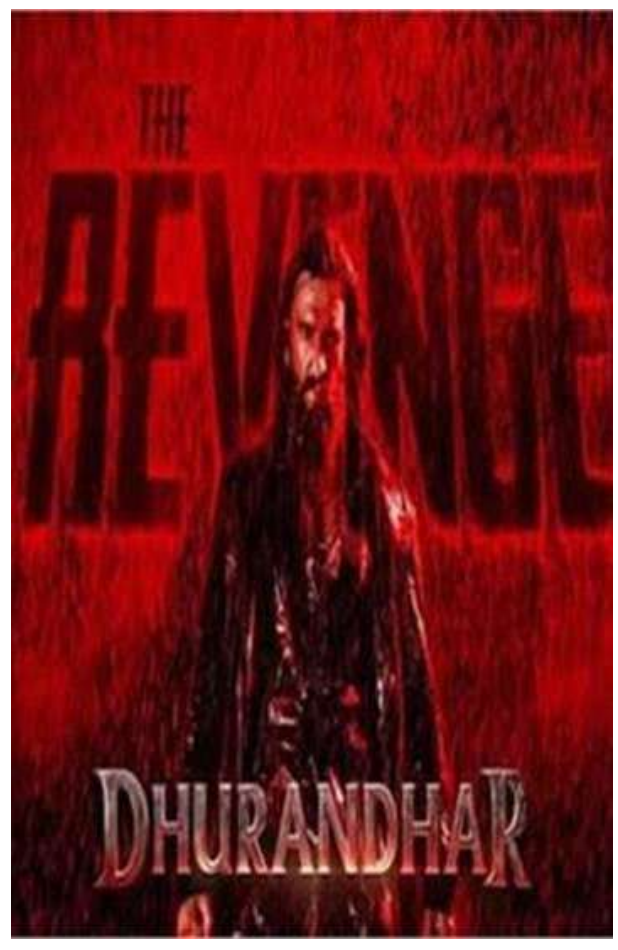

दिल्ली के इन 3 बाजारों में मिलते हैं स्टाइलिश और सस्ते कपड़े

गर्मियों के मौसम में बच्चों के लिए कपड़े खरीदना हर किसी को अच्छा लगता है,क्योंकि इस समय उनका आराम सबसे ज्यादा मायने रखता है। बच्चों को हल्के, मुलायम और आरामदायक कपड़े पहनाना जरूरी होता है। इसके लिए आप दिल्ली के इन तीन बेहतरीन मार्केट्स को एक्सप्लोर कर सकते हैं, जहां आपको बच्चों के लिए हर तरह के स्टाइलिश और कंफर्टेबल कपड़ों की अच्छी वैरायटी आसानी से मिल जाएगी। समर सीजन में बच्चों को आरामदायक कॉटन के कपड़े पहनाने चाहिए। तो चलिए बिना देर किए आपको बताते हैं दिल्ली 3 ऐसे मार्केट जहां बच्चों के कपड़े बेहद ही सुंदर मिलते हैं।

चांदनी चौक कटरा मार्केट

बच्चों के कपड़ों की शॉपिंग आप दिल्ली के कटरा मार्केट से जाकर शॉपिंग कर सकते हैं। यहां पर आपको बच्चों के लिए हर एक डिजाइन और फैशनेबल कपड़े मिल जाएंगे, जिसे आप उन्हें किसी खास दिन या रोजाना पहन सकती हैं। इससे बच्चों को गर्मियों में कोई दिक्कत नहीं होती है। यह मार्केट रविवार को बंद रहता है, बाकी आप किसी भी दिन जाकर आराम से शॉपिंग कर सकते हैं।

दिल्ली की भजनपुरा मार्केट

ईस्ट दिल्ली में स्थित भजनपुरा मार्केट शॉपिंग के लिए सबसे मशहूर है, जहां आप बच्चों के लिए गर्मियों के अनुकूल कपड़े आसानी से खरीद सकते हैं। यहां छोटे से लेकर बड़े बच्चों तक के लिए हल्के, स्टाइलिश और आरामदायक कपड़ों की अच्छी रेंज मिल जाती है, जिन्हें पहनकर बच्चे इस मौसम में कंफर्टेबल महसूस करते हैं। ध्यान रखें कि यह मार्केट सोमवार को बंद रहती है, जबकि बाकी दिनों में खुली रहती है।

दिल्ली की रोहताश नगर मार्केट

दिल्ली की रोहताश नगर मार्केट में बच्चों के कपड़ों का शानदार कलेक्शन देखने को मिलता है। बच्चों के लिए यहां पर फैंसी से लेकर सिंपल डिजाइन वाले कपड़े देखने को मिल जाएंगे, जिसे वियर करके आपके बच्चे गर्मी में कंफर्टेबल दिखाई देंगे। इस मार्केट में आपको 200 से लेकर 1000 रुपये में कपड़ों की शॉपिंग कर सकती हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

– जब आप अपने बच्चों के कपड़े खरीदें, तो साथ बच्चे भी लेकर जाएं, क्योंकि फिर साइज की दिक्कत नहीं रहेगी।

– बच्चों का कपड़े खरीदते समय फैब्रिक का विशेष ख्याल रखे।

– जब आप बच्चे के कपड़े खरीदें, तो प्रिंट का विशेष का ख्याल रखें।

प्रेग्नेंसी प्लानिंग सिर्फ महिलाएं ही नहीं, पुरुष भी करें खुद को तैयार, ये 8 तरीके आएंगे काम

हमारे समाज में अक्सर प्रेग्नेंसी की तैयारी को केवल महिलाओं तक सीमित मान लिया जाता है, लेकिन सच्चाई इससे अलग है। एक स्वस्थ गर्भधारण के लिए पुरुष और महिला दोनों की बराबर भूमिका होती है। पिता की शारीरिक और मानसिक सेहत न सिर्फ फर्टिलिटी को प्रभावित करती है, बल्कि होने वाले बच्चे के स्वास्थ्य पर भी इसका असर पड़ता है।

क्यों जरूरी है पुरुषों की तैयारी?

स्पर्म काउंट की संख्या और उनकी गति ये सभी चीजें गर्भधारण में अहम भूमिका निभाती हैं। खराब लाइफस्टाइल, तनाव या स्वास्थ्य समस्याएं इन पर नकारात्मक असर डाल सकती हैं। ऐसे में अगर पुरुष पहले से अपनी सेहत पर ध्यान दें, तो गर्भधारण की संभावना बेहतर हो सकती है और एक स्वस्थ प्रेग्नेंसी का रास्ता आसान बनता है।

मानसिक रूप से तैयार होना है पहला कदम

पिता बनना जीवन का बड़ा बदलाव होता है। इसलिए जरूरी है कि पुरुष खुद को इस जिम्मेदारी के लिए मानसिक रूप से तैयार करें। जब व्यक्ति इमोशनली तैयार होता है, तो वह अपनी पार्टनर को बेहतर सहयोग दे पाता है और पूरे सफर को सकारात्मक बना सकता है।

तनाव से दूरी बनाएं

लगातार तनाव शरीर के हार्मोन, खासकर टेस्टोस्टेरोन, को प्रभावित करता है। इससे शुक्राणुओं की गुणवत्ता पर असर पड़ सकता है। योग, ध्यान या हल्की एक्सरसाइज को रोजमर्रा की जिंदगी में शामिल करके तनाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। अच्छी डाइट फर्टिलिटी को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाती है। एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन सी, डी, ई, जिंक और फोलिक एसिड से भरपूर भोजन को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। ताजे फल, हरी सब्जियां, मेवे और साबुत अनाज न सिर्फ शरीर को ताकत देते हैं, बल्कि प्रजनन क्षमता को भी बढ़ाते हैं।

सही वजन बनाए रखें

बहुत ज्यादा या बहुत कम वजन हार्मोनल बैलेंस को बिगाड़ सकता है। इसलिए स्वस्थ वजन बनाए रखना जरूरी है। इससे शरीर संतुलित रहता है और फर्टिलिटी पर सकारात्मक असर पड़ता है। रोजाना हल्की–फुल्की एक्सरसाइज से शरीर फिट रहता है और टेस्टोस्टेरोन का स्तर भी बेहतर होता है। हालांकि बहुत ज्यादा या बहुत भारी वर्कआउट से बचना चाहिए, क्योंकि इसका उल्टा असर भी पड़ सकता है।

स्मोकिंग और अल्कोहल से दूरी बनाएं

स्मोकिंग शुक्राणुओं के डीएनए को नुकसान पहुंचा सकती है और उनकी संख्या को कम कर सकती है। वहीं, अधिक शराब पीने से हार्मोन प्रभावित होते हैं। इसलिए प्रेग्नेंसी प्लान करने से पहले इन आदतों को छोड़ना बेहद जरूरी है। नींद की कमी हार्मोनल असंतुलन का कारण बन सकती है। इससे टेस्टोस्टेरोन का स्तर कम हो सकता है और फर्टिलिटी प्रभावित होती है। रोजाना 7–8 घंटे की अच्छी नींद लेना बेहद जरूरी है।

समय पर हेल्थ चेकअप करवाएं

प्रेग्नेंसी प्लान करने से पहले जरूरी मेडिकल जांच कराना भी अहम है। डायबिटीज, थायरॉइड या किसी इंफेक्शन जैसी समस्याएं फर्टिलिटी पर असर डाल सकती हैं। समय पर जांच और इलाज से इनका प्रभाव कम किया जा सकता है। जब कपल मिलकर प्रेग्नेंसी की तैयारी करते हैं, तो इससे न सिर्फ गर्भधारण की संभावना बढ़ती है, बल्कि आपसी समझ और भावनात्मक जुड़ाव भी मजबूत होता है। पुरुष अगर अपनी सेहत और जिम्मेदारी को समझें, तो यह सफर दोनों के लिए आसान और सुखद बन सकता है।

सोच समझ कर निकलें बाहर! अभी 45 डिग्री तक जाएगा पारा, लू का अलर्ट जारी

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई हिस्सों के लिए लू की चेतावनी जारी की है, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को तापमान 40–42 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज होने की उम्मीद है। आईएमडी वैज्ञानिक अखिल श्रीवास्तव ने कहा दिल्ली में आज 40–42 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज होने की उम्मीद है। शहर के कुछ हिस्सों के लिए 22–24 अप्रैल तक अलग–अलग जगहों पर लू की चेतावनी जारी की गई है। हरियाणा में लू और गर्म रातों का अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी वैज्ञानिक ने आगे कहा कि आने वाले दिनों में उत्तरी और मध्य भारत के बड़े हिस्सों में लू की स्थिति बनी रहने की संभावना है, साथ ही अन्य क्षेत्रों में मौसम की चरम स्थितियों के मिले–जुले अलर्ट भी जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा पंजाब और हरियाणा में अगले चार दिनों तक, पूर्वी यूपी में अगले पांच दिनों तक, और कल से पश्चिमी यूपी में लू की स्थिति बने रहने की उम्मीद है। मध्य भारत में, मध्य प्रदेश में कल से लू की स्थिति देखी जा सकती है। छत्तीसगढ़ में भी अगले तीन दिनों तक ऐसी ही स्थिति देखने को मिल सकती है। दक्षिणी भारत के तटीय इलाकों में गर्म और उमस भरा मौसम रहने की उम्मीद है, जबकि अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय के लिए भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अधिकतम विदर्भ के ज्यादातर हिस्सों, मराठवाड़ा और मध्य प्रदेश के कई इलाकों, और छत्तीसगढ़, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर तापमान 40 से0 से 45से0 के बीच दर्ज किया गया। मौसम एजेंसी ने आगे बताया कि हिमाचल प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा रहा। झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, दिल्ली–एनसीआर, पंजाब, जम्मू और कश्मीर, मध्य प्रदेश और केरल सहित कई अन्य हिस्सों में भी तापमान सामान्य से काफी ज्यादा रहा। प्डक ने आगे कहा कि राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक और अन्य क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में तापमान सामान्य से ज्यादा दर्ज किया गया, जबकि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गुजरात, तटीय कर्नाटक और लक्षद्वीप में तापमान सामान्य के आस–पास रहा।

क्या जोड़ों के दर्द ने जीना कर दिया है मुहाल? ये 3 पॉवरफुल योगा आसन देंगे तुरंत आराम

सिर्फ उम्रदराज लोगों में ही नहीं बल्कि कम उम्र के लोगों में भी जोड़ों के दर्द की समस्या देखने को मिलती है। वहीं बदलती लाइफस्टाइल और अनहेल्दी डाइट के कारण लोगों को कई तरह की सेहत संबंधी समस्याएं होती हैं। जिनमें घुटनों और कमर का दर्द आम समस्या है। अक्सर हर उम्र के लोगों को घुटनों में दर्द का अनुभव होता है। वहीं इस दर्द को कम करने के लिए आप अपनी डेली रूटीन में योग को शामिल कर सकते हैं। लेकिन गंभीर मामलों में डॉक्टर की सलाह जरूरी लेना चाहिए। लेकिन आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे योगासन के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका अभ्यास करने से आप घुटनों के दर्द और अकड़न से राहत पा सकते हैं।

इन योगासनों से पाएं घुटनों के दर्द से राहत

त्रिकोणासन

इस आसन का अभ्यास करने से घुटने के जोड़ के आसपास की मसल्स को टारगेट करता है। इस आसन को करने से क्वाड्रिसेप्स को मजबूत करने, लचीलेपन में सुधार और घुटनों की स्थिरता को बढ़ाने में मदद करता है।

ऐसे करें त्रिकोणासन

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले पैरों को करीब 3–4 फीट की दूरी पर रखकर खड़े हों।

फिर दाहिने पैर को 90 डिग्री के कोण पर बाहर की तरफ मोड़ें। वहीं बाएं पैर को थोड़ा अंदर की तरफ मोड़ें।

अपनी आर्म्स को जमीन के पैरेलल फैलाएं।

इसके बाद दाहिने पैर पर झुकें और अपर बॉडी को दाहिने पैर की तरफ नीचे रखें।

दाहिने हाथ को टखने, काफ या फर्श पर रखें, वहीं बाएं हाथ को छत की ओर बढ़ाएं।

अब दोनों पैरों को सीधा रखें और अपनी जांघ की मांसपेशियों को शामिल करें।

30 सेकेंड से लेकर 1 मिनट तक इस मुद्रा में रहें और फिर

यह दूसरी ओर से दोहराएं।

ऐसे करें वीरभद्रासन

खड़े होकर इस आसन की शुरूआत करें और फिर बायां पैर पीछे ले जाएं। अब दायां पैर आगे की तरफ रखें।

अपने दाहिने घुटने को 90 डिग्री के कोण पर मोड़ें। यह टखने के साथ अलाइन हों।

अपनी आर्म्स को जमीन के समानांतर फैलाएं और हथेलियों को नीचे की ओर रखें।

अपने कंधों को ढीला रखें और फिर दाहिनी उंगलियों पर अपनी नजर रखें।

अब 30 सेकेंड से लेकर 1 मिनट तक इस पोज में रहें और फिर दूसरी तरफ जाएं।

ऐसे करें वृक्षासन

वृक्षासन का अभ्यास करने से पहले खड़े हो जाएं और अपना वेट अपने दाहिने पैर पर डालें।

अब बाएं पैर को उठाएं और घुटने के जोड़ से बचते हुए दाहिने

पैर की भीतरी जांघ पर रखें।

अपनी हथेलियों को अपनी छाती के सामने एक साथ लाएं। या अपनी बाहों को ऊपर की तरफ फैलाएं।

अब संतुलन के लिए अपनी आंखों को एक निश्चित बिंदु पर केंद्रित करें।

फिर 30 सेकेंड से एक मिनट तक इसी मुद्रा में रहें और फिर दूसरे पैर पर आ जाएं।

संक्षिप्त

आरसीबी के नुवान तुषारा ने लिया यू-टर्न, श्रीलंका क्रिकेट से मांगी माफीय आईपीएल से जुड़ा है मामला

कोलंबो, एजेंसी। नुवान तुषारा ने बड़ा कदम उठाते हुए श्रीलंका क्रिकेट के खिलाफ दायर अपना केस वापस ले लिया है। तुषारा ने पहले प्च्स 2026 में खेलने के लिए नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (छव्ब्) न मिलने पर बोर्ड को कोर्ट में चुनौती दी थी। हालांकि, अब खिलाड़ी ने न सिर्फ केस वापस लिया बल्कि बोर्ड से माफी भी मांगी। उनके वकील ने अदालत में कहा कि टूर्नामेंट के अधिकांश मैच खत्म हो चुके हैं, इसलिए खिलाड़ी अब इस मामले को आगे नहीं बढ़ाना चाहते। तुषारा का दावा था कि उन्हें आईपीएल में खेलने से रोका गया, जबकि बोर्ड का कहना था कि वह फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर पाए थे। यही विवाद कोर्ट तक पहुंचा। तुषारा आईपीएल 2026 में डिफेंडिंग चौंपियन रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु का हिस्सा बनने वाले थे और इससे पहले 2024 और 2025 सीजन में भी खेल चुके हैं। इस पूरे विवाद के बीच रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु का प्रदर्शन प्च्स 2026 में शानदार रहा है। टीम ने छह मैचों में आठ अंक हासिल कर मजबूत शुरुआत की है। आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने टीम की सफलता का राज आक्रामकता और लचीलापन बताया। उन्होंने कहा, श्डॉमिनेंस हमारा माइंडसेट है, लेकिन हम कठोर नहीं बनना चाहते। हम स्थिति को समझकर खुद को ढालना चाहते हैं। बल्लेबाजी यूनिट के तौर पर यह लचीलापन हमारे लिए बहुत जरूरी है। पाटीदार ने अपनी बल्लेबाजी में आए बदलाव पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, श्मेरी बल्लेबाजी में सबसे बड़ा बदलाव दिमाग से आया है। मैं खेल को कैसे देखता हूं, किसी स्थिति में खुद को कैसे देखता हूं और कैसे दबदबा बनाना चाहता हूं, सब वहीं से शुरू हुआ। मैंने कुछ ट्रिगर मूवमेंट्स पर काम किया और डीके से चर्चा की। जब मुझे भरोसा हो गया, तो मैंने मैच में खुद को नहीं रोका। उसी स्पष्टता ने मुझे बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की। आरसीबी की आक्रामक बल्लेबाजी रणनीति पर पाटीदार ने कहा, श्कोई तय प्लान नहीं होता कि मैं कैसे खेलूंगा। अगर मुझे लगता है कि मैं किसी गेंदबाज पर हावी हो सकता हूं, तो मैं ऐसा करता हूं। यह प्लानिंग से ज्यादा इंस्टिंक्ट पर आधारित है। अगर कोई खिलाड़ी महसूस करता है कि वह दबाव बना सकता है, तो वह जिम्मेदारी लेता है, भले ही स्ट्राइक रोटेट न करे। हमारा लक्ष्य गेंदबाज पर लगातार दबाव बनाए रखना है।

लाल निशान पर खुला घरेलू बाजार, सेंसेक्स 578 अंक गिरा, निफ्टी 24300 के नीचे

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका—ईरान वार्ता में गतिरोध के बीच कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने के कारण गुरुवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट दर्ज की गई। विदेशी निधियों की निकासी और एशियाई शेयर बाजारों में कमजोर रुझानों ने भी बाजारों को नीचे खींच लिया। शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 577.71 अंक या 0.74: गिरकर 77,938.78 अंक पर आ गया। वहीं 50 शेयरों

वाला निफ्टी 156.45 अंक या 0.64: गिरकर 24,221.65 अंक पर आ गया। ेसेक्स की 30 कंपनियों में से टेक महिंद्रा, इटरनल, इंटरग्लोब एविएशन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एशियन पेंट्स और इंफोसिस प्रमुख रूप से पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। सन फार्मा और पावर ग्रिड ही एकमात्र विजेता रहे। ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ—टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि तेल बाजार चिंता का एक प्रमुख विषय बना हुआ है, ब्रेंट क्रूड एक बार फिर 100 अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है और 100—106 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के दायरे में कारोबार कर रहा है। यह गिरावट अमेरिका—ईरान वार्ता के ठप होने और ईरानी बंदरगाहों पर नाकाबंदी जारी रहने को दर्शाती है, जिससे वैश्विक आपूर्ति में संभावित व्यवधानों को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि अनिश्चितता का पूर्ण रूप से सामान्य हो जाने के कारण बाजार की निकट भविष्य की दिशा को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। युद्ध की अवधि सभी की शुरुआती अपेक्षाओं से कहीं अधिक बढ़ जाने और ब्रेंट क्रूड की कीमत 103 अमेरिकी डॉलर तक वापस पहुंचने से वैश्विक विकास के लिए सामान्य रूप से और विशेष रूप से भारत के मैक्रोइकॉनॉमिक्स के लिए जोखिम बढ़ रहा है। अनुसंधान विश्लेषक और लिवेलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा कि पश्चिम एशिया में भू—राजनीतिक घटनाक्रम ही सबसे बड़ा खतरा बना हुआ है। अमेरिका—ईरान के बीच हालिया तनाव, जिसमें नौसैनिक टकराव की खबरें और संभावित हमलों की नई चेतावनियां शामिल हैं, ने अनिश्चितता को काफी बढ़ा दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य, जो एक महत्वपूर्ण वैश्विक ऊर्जा गलियारा है, के आसपास के जोखिम ने ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों को 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचा दिया है। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.36 प्रतिशत बढ़कर 103.3 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,078.36 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। बुधवार को सेंसेक्स 756.84 अंक या 0.95 प्रतिशत गिरकर 78,516.49 पर बंद हुआ। निफ्टी 198.50 अंक या 0.81 प्रतिशत गिरकर 24,378.10 पर समाप्त हुआ।

राजस्थान के तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर को आक्रामक जश्न मनाना पड़ा भारी, बीसीसीआई ने लगाया जुर्माना

लखनऊ, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर पर लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के खिलाफ बुधवार को खेले गए मुकाबले के दौरान आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ने के कारण मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया, साथ ही एक डिमेरिट दिया गया। बुधवार को मैच के दौरान, बर्गर आक्रामक इशारे करते हुए दिखे और एलएसजी के कप्तान पंत को शून्य पर आउट करने के बाद उनके लिए गाली—गलौज करते हुए देखे गए।

आईपीएल ने एक बयान में कहा, श्राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के तेज गेंदबाज नंद्रे बर्गर पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और बुधवार को इकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ने के लिए एक डिमेरिट पॉइंट भी जमा किया गया है।श

बयान में आगे कहा गया, श्नांद्रे बर्गर ने आर्टिकल 2.5 के तहत लेवल एक का अपराध मान लिया है और मैच रेफरी द्वारा दी गई सजा भी मान ली है। कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल एक उल्लंघन के लिए, मैच रेफरी का फैसला आखिरी और मानने वाला होता है।श आर्टिकल 2.5 के तहत लेवल 1 मैच के दौरान किसी दूसरे खिलाड़ी का

अपमान करने वाली भाषा, हरकतें या इशारे करने या उससे आक्रामक रिएक्शन भड़काने से जुड़ा है।

आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के अनुसार, चार डिमेरिट पॉइंट जमा होने पर एक सस्पेंशन पॉइंट बन जाता है, जिसके बाद उस लिमिट तक पहुंचने पर एक मैच का बैन लगता है। ये पॉइंट खिलाड़ी के रिकॉर्ड पर 36 महीने तक रहते हैं, इसलिए बर्गर को आगे सावधानी से कदम उठाने होंगे।

मैच की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करते हुए आरआर ने छह विकेट पर 159 रन बनाए थे। लखनऊ सुपर जायंट्स 18 ओवर में 119 रन पर सिमट गई और 40 रन से मैच हार गई। आरआर के लिए नांद्रे बर्गर ने चार ओवर में 27 रन देकर दो विकेट लिए। बर्गर ने पंत के अलावा मिशेल मार्श का भी विकेट लिया।

दिल्ली कैपिटल्स के लिए खुशखबरी, टीम से जल्द जुड़ेंगे मिचेल स्टार्क, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने प्रतियोगी क्रिकेट खेलने की मंजूरी दे दी है। सीए से मंजूरी मिलने के बाद मिचेल स्टार्क आईपीएल 2026 के

लिए दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का हिस्सा बनने को तैयार हैं। कोहनी और कंधे की दिक्कतों की वजह से अब तक आईपीएल से बाहर रहे स्टार्क जल्द दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ सकते हैं। स्टार्क के एक मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ दिल्ली के मैच में खेलने की संभावना है।

स्टार्क को लगी थी चोट

स्टार्क को कंधे और कोहनी की दिक्कत एशेज सीरीज के पांच टेस्ट और फिर बिग बैश लीग खेलने के दौरान हुई थी। स्टार्क ने एशेज सीरीज के सभी पांच टेस्ट खेले थे और प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब जीता था।स्टार्क के आईपीएल से बाहर रहने की आलोचना सोशल मीडिया पर हो रही थी। इसको लेकर कुछ समय पहले उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपना पक्ष रखा था।

स्टार्क ने फैंस से माफी मांगी थी

स्टार्क ने लिखा था, श्भारतीय मीडिया में और उसके जरिए कुछ लोगों की राय और विचारों के बावजूद, मैं अभी अपने कंधे और कोहनी की चोट का रिहैब और प्रबंधन कर रहा हूं, जिसके बारे में मुझे ऑस्ट्रेलियाई गर्मियों के दौरान पता नहीं था कि वह कितनी गंभीर है। इन लोगों ने आईपीएल में शामिल होने को लेकर कुछ कड़े बयान दिए हैं और खिलाड़ियों के बारे में बहुत गलत राय दी है, उन्हें सच बताकर पेश किया है, और दावा किया है कि वे मेरे शरीर को मुझसे बेहतर जानते हैं।

दिल्ली के लिए अहम होगा

स्टार्क ने आगे कहा था, श्मैं मानता हूं कि यह चोट और टाइमिंग दिल्ली टीम के लिए परेशानी वाली है, और मैं इसके लिए और इस सीजन के शुरुआती हिस्से के लिए उपलब्ध नहीं होने के लिए फैंस से माफी मांगता हूं। मैं डीसी से जुड़ने के लिए प्रतिबद्ध हूं, टीम को लगातार अपडेट कर रहा हूं।श मिचेल स्टार्क के जुड़ने से निश्चित रूप से दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी मजबूत होगी और विपक्षी टीमों की मुश्किल बढ़ेगी। डीसी छह मैचों में तीन जीत और तीन हार के साथ छह अंक लेकर अंकतालिका में पांचवें स्थान पर है।

‘गुजरात की शिक्षा मंत्री को...’, रवींद्र जडेजा ने पत्नी रिवाबा को दिया अपने शानदार प्रदर्शन का श्रेय

लखनऊ, एजेंसी। रवींद्र जडेजा ने शानदार ऑलराउंड खेल दिखाते हुए राजस्थान रॉयल्स को जीत दिलाई। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में जडेजा ने पहले बल्ले से कमाल किया और फिर गेंद से भी अहम योगदान दिया। टीम एक समय 77ध्5 के मुश्किल हालात में थी, लेकिन जडेजा ने नाबाद 43 रन बनाकर पारी को संभाला और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। मैच के बाद जडेजा ने श्मैन ऑफ द मैचश अवॉर्ड अपनी पत्नी रिवाबा जडेजा को समर्पित किया, जो गुजरात की शिक्षा मंत्री हैं। उन्होंने कहा, श्अच्छा लग रहा है, मैन ऑफ द मैच जीतकर। मैं यह अवॉर्ड गुजरात की शिक्षा मंत्री (मेरी पत्नी) को समर्पित करना चाहता हूं। उन्होंने ही कहा था कि मैं अच्छा प्रदर्शन करूंगा और मैंने वैसा ही किया। जडेजा ने पिच को चुनौतीपूर्ण बताते हुए कहा, श्यह विकेट बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं था क्योंकि गेंद सीम और स्विंग कर रही थी।

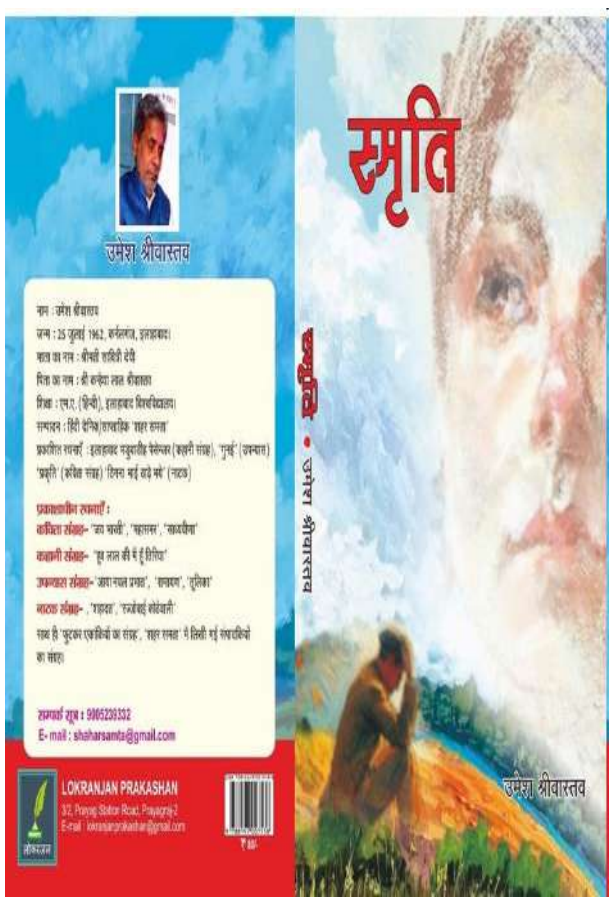

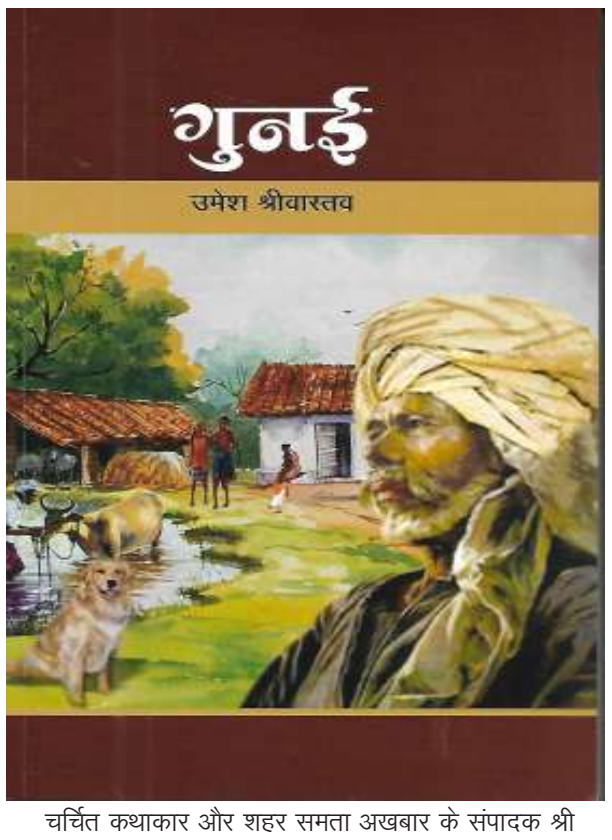

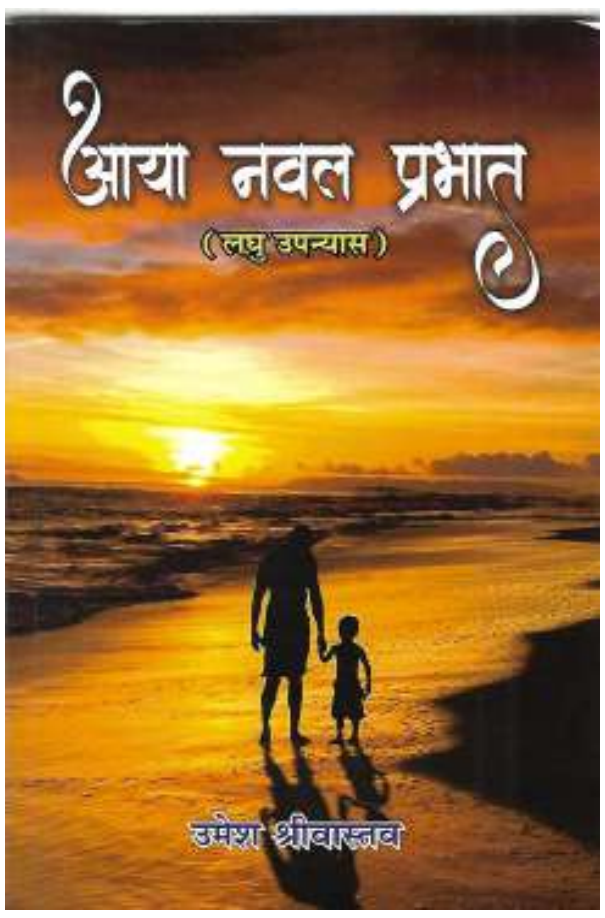

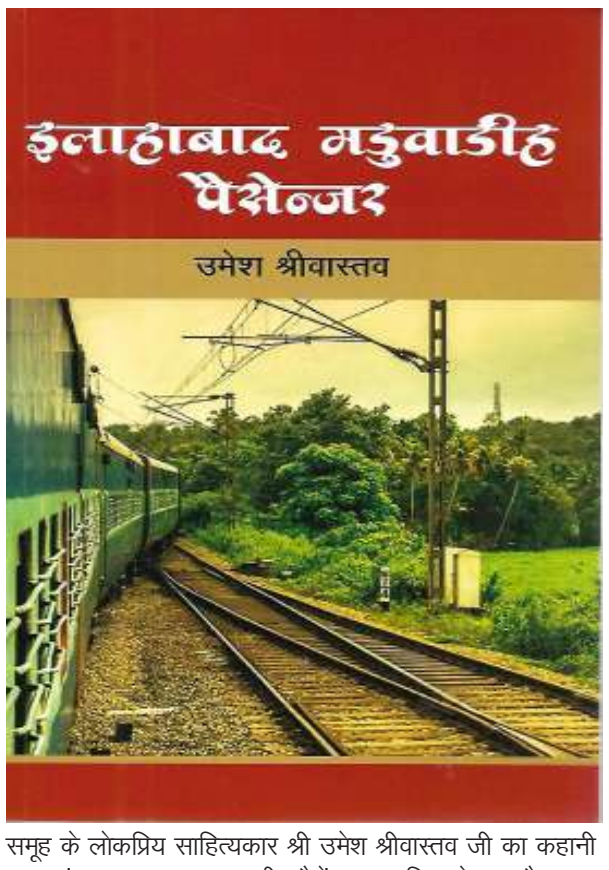

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

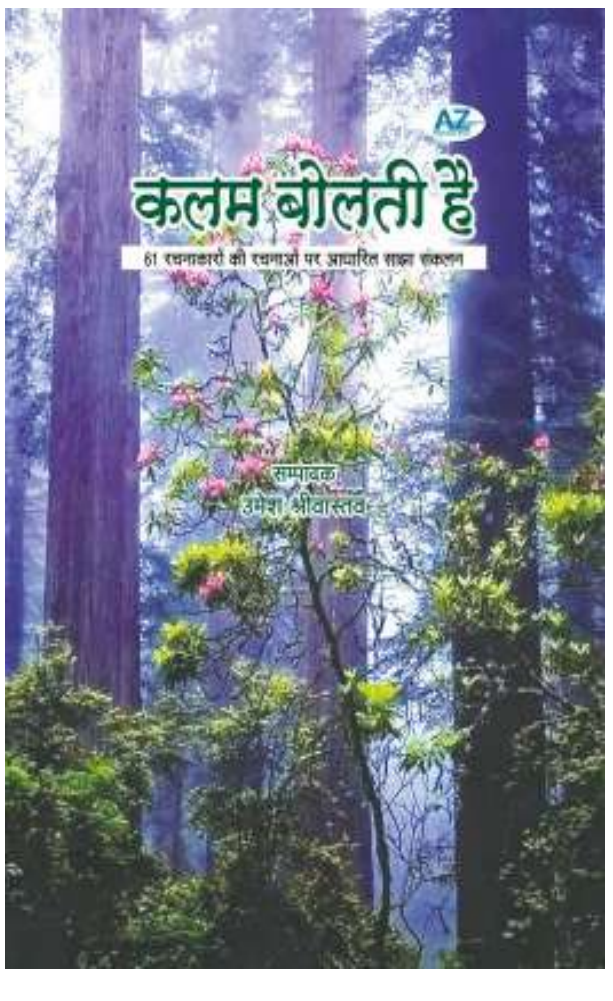

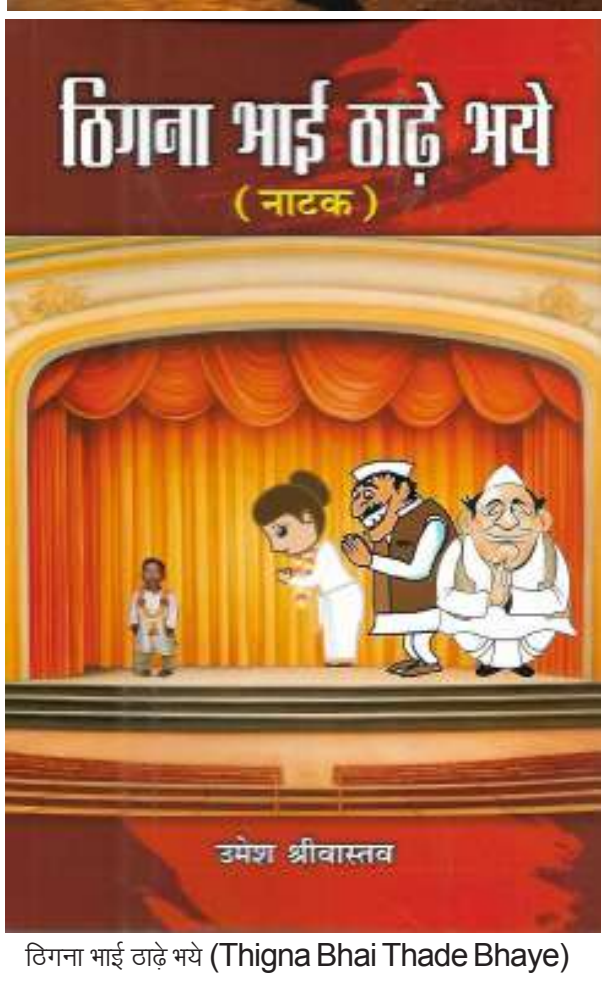

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

प. एशियाः फारस की खाड़ी-होर्मुज में तेल रिसाव का खतरा, उपग्रह तस्वीरों में लावान द्वीप से कुवैत तट तक असर दिखा

दुबई, एजेंसी। अमेरिका और ईरान से जुड़े सैन्य हमलों के बाद फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में कई बड़े तेल रिसाव अंतरिक्ष से दिखाई दिए हैं। उपग्रह तस्वीरों में ईरान के केश्म द्वीप, लावान द्वीप और कुवैत तट के पास समुद्र में फैला तेल साफ नजर आ रहा है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि स्थिति पर जल्द नियंत्रण नहीं पाया गया तो यह क्षेत्र समुद्री जैव विविधता, तटीय आबादी और पेयजल आपूर्ति के लिए बड़े पर्यावरणीय संकट में बदल सकता है। सीएनएन के अनुसार उपग्रह चित्रों ने न केवल तेल सुविधाओं और जहाजों पर हमलों से हुई क्षति को उजागर किया है बल्कि फारस की खाड़ी के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र पर मंडरा रहे खतरे को भी सामने रखा है। इस क्षेत्र में फैला तेल तटीय समुदायों की आजीविका, मछली पालन, समुद्री जीवों और समुद्री जल को मीठा बनाने वाले संयंत्रों तक को प्रभावित कर सकता है। एक सैटेलाइट तस्वीर में ईरान के केश्म द्वीप के पास होर्मुज जलडमरूमध्य में पांच मील से अधिक क्षेत्र में फैला तेल देखा गया। संरक्षित शिदवर द्वीप की जैव विविधता पर खतरा शिदवर द्वीप फारस की खाड़ी में स्थित एक कोरल द्वीप है। यह कछुओं, समुद्री पक्षियों और अन्य वन्यजीवों के लिए महत्वपूर्ण आवास माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि तेल रिसाव ऐसे क्षेत्रों में पहुंचने पर समुद्री जीवों के प्रजनन, भोजन श्रृंखला और पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर दीर्घकालिक असर डाल सकता है। छह अप्रैल को कुछ उपग्रह तस्वीरों में कुवैत के तट के पास भी तेल फैला दिखाई दिया। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा था कि उसने उसी दिन खाड़ी देशों की ईंधन और पेट्रोकेमिकल सुविधाओं को निशाना बनाया। जीव-जंतुओं समेत लाखों लोगों पर खतरा Mp शांति संगठन पैक्स के परियोजना प्रमुख विम ज्वाइनेनबर्ग ने चेतावनी दी कि इन तेल रिसावों का असर लाखों लोगों पर पड़ सकता है, खासकर ईरान के तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों पर। मछलियों के प्रदूषित होने से मछुआरों की आय और खाद्य सुरक्षा दोनों प्रभावित हो सकती हैं। यह तेल समुद्री कछुओं, डॉल्फिन और व्हेल जैसे जीवों के लिए भी गंभीर खतरा है। ये जीव या तो तेल निगल सकते हैं या उसमें फंस सकते हैं। इसके अलावा समुद्री जल को साफ कर पीने योग्य बनाने वाले डिसैलिनेशन प्लांट्स भी प्रभावित हो सकते हैं।

ऊर्जा संकट के बीच अमेरिका ने रूसी तेल खरीद पर छूट बढ़ाई, 10 से अधिक देशों को राहत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने बुधवार को कहा कि उन्होंने रूसी तेल की बिक्री की अनुमति देने वाली प्रतिबंध छूट को आगे बढ़ाया है। यह फैसला दुनिया के

10 से अधिक श्सबसे कमजोर और सबसे गरीबश देशों के ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए लिया गया। उन्होंने बताया कि यह अनुरोध पिछले हफ्ते अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की बैठक के दौरान सामने आया था। बेसेंट ने सीनेट की विनियोग समिति के सामने यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि पहले उनका विचार था कि यह छूट आगे नहीं बढ़ाई जाएगी। लेकिन बाद में ऊर्जा संकट से जूझ रहे 10 से अधिक देशों ने अमेरिका से इसे बढ़ाने की अपील की। इसके बाद केवल 30 दिनों के लिए प्रतिबंधों पर यह छूट दी गई। पिछले हफ्ते अमेरिका ने की थी छूट आगे न बढ़ाने की घोषणा पिछले हफ्ते अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने घोषणा की थी कि रूसी या ईरानी तेल की बिक्री के लिए दी गई छूट आगे नहीं बढ़ाई जाएगी। लेकिन शुक्रवार रात को मंत्रालय ने अचानक प्रतिबंधों पर छूट को 30 दिन के लिए बढ़ा दिया। अमेरिकी वित्त मंत्री ने क्या कहा? बेसेंट ने कहा, इस हफ्ते विश्व बैंक और आईएमएफ की बैठक थी। मेरा मानना था कि हम इसे आगे नहीं बढ़ाएंगे। लेकिन दस से अधिक कमजोर और गरीब देशों ने हमसे अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा संकट के कारण इसे आगे बढ़ाया जाए। इसलिए हमने केवल 30 दिनों के लिए छूट दी। इससे पहले अमेरिका ने भारत को रूसी तेल खरीदने के लिए 5 मार्च से एक महीने के लिए प्रतिबंधों पर छूट दी थी। कुछ दिनों बाद इसी तरह की छूट कई अन्य देशों को भी दी गई थी, जो 11 अप्रैल को समाप्त हो गई थी।

अमेरिका में जहरीली गैस का कहर: केमिकल लीक होने से दो की मौत, 19 लोग बीमार, वेस्ट वर्जीनिया प्लांट में हुई घटना

वर्जीनिया, एजेंसी। अमेरिका के वेस्ट वर्जीनिया में एक केमिकल प्लांट में बड़ा हादसा हो गया। यहां एक फैक्ट्री में जहरीली गैस के लीक होने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 लोग बीमार हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कैटेलिस्ट रिफाइनर्स नाम के प्लांट में हादसा यह हादसा इंस्टीट्यूट इलाके में स्थित कैटेलिस्ट रिफाइनर्स नाम के प्लांट में हुआ। बताया जा रहा है कि जब कर्मचारी फैक्ट्री के एक हिस्से को बंद करने की तैयारी कर रहे थे, तभी अचानक केमिकल रिएक्शन हो गया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

`लश्कर-जैश पर नकेल कसे पाकिस्तान', पहलगाम हमले की बरसी पर अमेरिकी सांसदों ने एक सुर में उठाई मांग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सांसद ब्रैड शर्मन ने पाकिस्तान से लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों पर सख्त कार्रवाई करने को कहा। वाशिंगटन में भारतीय दूतावास ने आतंकवाद की मानवीय कीमत विषय पर एक प्रदर्शनी लगाई थी। इस दौरान शर्मन ने 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को याद किया। इस हमले में 26 निर्दोष लोग मारे गए थे। क्या बोले अमेरिकी सांसद? शर्मन ने कहा कि पहलगाम हमले के पीछे द रेजिस्टेंस फ्रंट का हाथ था, जिसका संबंध लश्कर-ए-तैयबा से है। खबरों के मुताबिक, इन समूहों को पाकिस्तान में पनाह मिलती है। डेमोक्रेट नेता शर्मन ने मांग की कि पाकिस्तानी सरकार को इन आतंकी गुटों पर नकेल कसने की मांग की। यह प्रदर्शनी ऐसे समय में हुई जब पाकिस्तान खुद को शांतिदूत के रूप में पेश कर रहा है और अमेरिका-ईरान युद्ध को रोकने के लिए मध्यस्थता की कोशिश कर रहा है। डिजिटल प्रदर्शनी में क्या? इस डिजिटल प्रदर्शनी में 1993 के मुंबई बम धमाकों, 2008 के मुंबई हमलों और पहलगाम हमले की तस्वीरें दिखाई गईं। इसमें उन आतंकी संगठनों और लोगों की पहचान भी उजागर की गई जो पाकिस्तान से अपनी गतिविधियां चलाते हैं। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि आतंकवाद मानवता को नष्ट करना चाहता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संकल्प को दोहराया जिसमें भारत आतंकवाद को हराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रदर्शनी में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों पार्टियों के कई बड़े सांसद शामिल हुए। इस दौरान सांसद लिसा मैक्लेन ने कहा कि आतंकवाद से लड़ने के लिए खुफिया जानकारी साझा करना और मिलकर काम करना ही सही रास्ता है। वहीं, सांसद रो खन्ना ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि वाजपेयी ने 1990 के दशक में ही इस खतरे की चेतावनी दी थी, लेकिन तब कम ही लोगों ने इसे गंभीरता से लिया था। ऑपरेशन सिंदूर का भी हुआ जिक्र इस दौरान 7 मई 2025 को भारत के ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया गया। भारत ने पाकिस्तान और पीओके में लश्कर और जैश के 9 ठिकानों को तबाह कर दिया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच करीब 88 घंटे तक सैन्य संघर्ष चला था, जो 10 मई की शाम को थमा। सांसद रिचर्ड मैककॉर्मिक ने आतंकवाद को एक अनोखी बुराई बताया जो भारत और अमेरिका दोनों के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि जो लोग हिंसा से हमारी विविधता को खत्म करना चाहते हैं, वे ही असली दुश्मन हैं।

`भारत के साथ व्यापारिक मुद्दों पर सहमति बनाना आसान नहीं', व्यापार समझौते पर बोले अमेरिकी प्रतिनिधि

एजेंसी/भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर जारी वार्ता के बीच अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने भारत को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत एक श्टफ नट टू क्रैकश है, यानी भारत के साथ व्यापारिक मुद्दों पर सहमति बनाना आसान नहीं है। ग्रीर ने यह टिप्पणी अमेरिकी कांग्रेस की समिति के सामने की। उन्होंने कहा कि भारत लंबे समय से अपने कृषि बाजारों की सुरक्षा करता आया है और मौजूदा व्यापार वार्ता में भी वह कई क्षेत्रों को संरक्षित रखना चाहता है। उन्होंने कहा कि भारत अपने घरेलू हितों को प्राथमिकता देता है, खासकर कृषि क्षेत्र में, इसलिए बातचीत आसान नहीं है। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि कुछ क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहमति बनने की संभावना है। 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने की बातचीत वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन के नेतृत्व में 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी विदेश मंत्री ब्रेंडन लिंच के नेतृत्व वाली अमेरिकी टीम के साथ व्यापार समझौते के बारीक बिंदुओं पर बातचीत की। तीन दिवसीय वार्ता बुधवार को समाप्त हुई। ग्रीर ने बुधवार को अमेरिकी कांग्रेस की कमेटी ऑन वेज एंड मीन्स को बताया कि भारत एक कठिन चुनौती है... उन्होंने बहुत लंबे समय से अपने कृषि बाजारों की रक्षा की है। ग्रीर ने और क्या कहा?

उन्होंने कहा, श्इस समझौते के तहत वे इनमें से कई चीजों की रक्षा करना चाहते हैं। हालांकि, कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन पर मुझे लगता है कि हम आपसी सहमति बना सकते हैं। डीडीजी (डिस्टिलर्स ड्राइड ग्रेन्स) इसका एक अच्छा उदाहरण है।श ग्रीर सांसदों द्वारा डीडीजी के निर्यात पर पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे, जिनका उपयोग उच्च प्रोटीन वाले पशुधन चारे, सोयाबीन मील और इथेनॉल के रूप में किया जाता है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी वार्ताकार भारत के वार्ताकारों के साथ डीडीजी जैसे विशिष्ट मुद्दों पर चर्चा कर रहे थे। ग्रीर ने कहा, श्भारतीय व्यापार वार्ताकार इस सप्ताह शहर में हैं। इसलिए हम इस सप्ताह इन मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं, जिनमें आपके द्वारा चर्चा की गई ये विशिष्ट वस्तुएं, डीडीजी भी शामिल हैं।श भारत और अमेरिका ने 2 फरवरी को द्विपक्षीय व्यापार समझौते के ढांचे की घोषणा की और 7 फरवरी को समझौते का पाठ जारी किया। भारत की क्या मांग?

इस समझौते के तहत भारत अमेरिकी बाजारों में तरजीही पहुंच की मांग कर रहा है, क्योंकि दोनों देश 2030 तक 500 अरब अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं। उस ढांचे के अनुसार, अमेरिका ने भारत पर टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने पर सहमति जताई थी। उसने रूसी तेल खरीदने पर भारतीय वस्तुओं पर लगने वाले 25 प्रतिशत टैरिफ को हटा दिया था और समझौते के तहत शेष 25 प्रतिशत को घटाकर 18 प्रतिशत करने का निर्णय लिया था। लेकिन 20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप द्वारा लगाए गए पारस्परिक टैरिफ के खिलाफ फैसला सुनाया, जो 1977 के अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (फ्म्ब्।) के तहत लगाए गए थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मद्देनजर, भारत नए वैश्विक टैरिफ ढांचे के तहत अपने हितों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए समझौते को फिर से समायोजित और पुनर्गठित करने की कोशिश कर रहा है।

अमेरिकी नाकेबंदी से ईरान पर कसा शिकंजा, US आर्मी बोली- अब तक 31 जहाज लौटे वापस

वॉशिंगटन, एजेंसी । अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने गुरुवार को पुष्टि की है कि अमेरिकी सेना ने ईरान की नाकाबंदी के तहत 31 जहाजों को वापस लौटने या बंदरगाह पर जाने का निर्देश दिया है। सैन्य अधिकारियों के अनुसार, इनमें से ज्यादातर जहाज तेल टैंकर थे। सेंट्रल कमांड ने क्या कहा? सेना ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि इस कार्रवाई में उन्हें काफी सहयोग मिला है। पकड़े जाने के बाद ज्यादातर जहाजों ने अमेरिकी निर्देशों का पालन किया। इस मिशन का पैमाना बहुत बड़ा है। ईरान के बंदरगाहों की नाकाबंदी करने के लिए 10,000 से ज्यादा अमेरिकी सैनिक, 17 युद्धपोत और 100 से ज्यादा विमान तैनात किए गए हैं। सैन्य कार्रवाई से बढ़ा तनाव इस बड़ी सैन्य कार्रवाई की वजह से पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर पहुंच गया है। बुधवार तनाव तब और बढ़ गया जब ईरानी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन व्यापारिक जहाजों पर गोलियां चलाईं और उनमें से दो पर कब्जा कर लिया। यह घटना राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस फैसले के ठीक 24 घंटे बाद हुई, जिसमें उन्होंने युद्धविराम को आगे बढ़ाने के साथ-साथ नाकाबंदी जारी रखने की बात कही थी। ट्रंप प्रशासन चाहता है कि ईरान संकट को कम करने के लिए बातचीत की मेज पर आए। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि अमेरिका ने युद्धविराम के लिए कोई औपचारिक समय सीमा तय नहीं की है। हालांकि, उन्होंने एक बड़ी शर्त रखी है। किसी भी स्थायी समझौते के लिए ईरान को अपने संवर्धित यूरेनियम का पूरा भंडार सौंपना होगा। यह शर्त गैर-परक्राम्य है, यानी इस पर कोई समझौता नहीं होगा। क्या बोले ट्रंप? राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ कर दिया है कि जब तक तेहरान कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं देता और बातचीत का कोई ठोस नतीजा नहीं निकलता, तब तक यह समुद्री नाकाबंदी जारी रहेगी। दूसरी तरफ, ईरान ने इस पर कड़ी नाराजगी जताई है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इस नाकाबंदी को युद्ध की कार्रवाई बताया है। उन्होंने कहा कि यह मौजूदा युद्धविराम का सीधा उल्लंघन है। ईरान ने चेतावनी दी है कि वह किसी भी दबाव वाली रणनीति का डटकर विरोध करने के लिए तैयार है।

ईरान से तनाव के बीच अमेरिकी नौसेना सचिव जॉन फेलन ने अचानक छोड़ा पद, हंग काओ बने कार्यवाहक सचिव

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच पेंटागन ने बुधवार को अचानक घोषणा की कि नौसेना सचिव जॉन फेलन अपना पद छोड़ रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में किसी सैन्य सेवा के प्रमुख का यह पहला इस्तीफा है। हालांकि, रक्षा विभाग में पिछले कुछ समय से कई बड़े अधिकारियों को हटाया जा रहा है। फेलन के अचानक हटने का कोई कारण नहीं बताया गया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब अमेरिकी नौसेना ने ईरानी बंदरगाहों की घेराबंदी कर रखी है और दुनिया भर में तेहरान से जुड़े जहाजों को निशाना बना रही है। अब ट्रंप के करीबी और अंडरसेक्रेटरी हंग काओ नौसेना के कार्यवाहक सचिव की जिम्मेदारी संभालेंगे। काओ नौसेना में 25 साल तक रहे हैं और उनके पास युद्ध का अनुभव भी हैं। फेलन का पद से हटना पेंटागन के शीर्ष नेतृत्व में फेरबदल की एक लंबी कड़ी का हिस्सा हो सकता है। कुछ हफ्ते पहले ही रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सेना के शीर्ष अधिकारी जनरल रैंडी जॉर्ज को पद से हटा दिया था। हेगसेथ ने पिछले साल पद संभालने के बाद से कई जनरलों और एडमिरलों को हटाया है। इनमें एडमिरल लीसा फ्रेंचेती और जनरल जिम स्लाइफ भी शामिल हैं। ट्रंप ने जनरल चार्ल्स सीक्यू ब्राउन जूनियर को भी उनके पद से हटा दिया है। फेलन का इस्तीफा बहुत चौंकाने वाला है। उन्होंने मंगलवार को ही वाशिंगटन में नौसेना के एक सम्मेलन में हिस्सा लिया था। वहां उन्होंने पत्रकारों से अपने एजेंडे पर बात की थी। उन्होंने सांसदों के साथ बजट और नए जहाज बनाने की कोशिशों पर भी चर्चा की थी। हालांकि, पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने बताया कि फेलन तुरंत अपना पद छोड़ रहे हैं। बता दें कि फेलन ने पहले कभी सेना में काम नहीं किया था। उन्हें नौसेना में बड़े बदलाव करने के लिए लाया गया था। वे एक निजी निवेश कंपनी के संस्थापक भी रहे हैं। फेलन ऐसे समय में जा रहे हैं जब नौसेना बहुत व्यस्त है। उसके तीन विमानवाहक पोत मध्य पूर्व में तैनात हैं। साथ ही नौसेना कैरिबियन में ड्रग्स के खिलाफ अभियान चला रही है।

पश्चिम एशिया तनाव का असर: 20 हजार उड़ानों में कटौती करेगा लुफ्थांसा समूह, ईंधन संकट की चिंता बढ़ी

लास वेगास, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव का असर अब दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं और कारोबारों पर गहरा होने लगा है। इस युद्ध के कारण तेल की कीमतों में भारी वृद्धि देखने को मिली है और

कुछ देशों को विमानन ईंधन की कमी की चिंता भी सताने लगी है। लुफ्थांसा एयरलाइंस और अन्य यूरोपीय एयरलाइन की मालिक जर्मन कंपनी ने मंगलवार को कहा कि इन चिंताओं के मद्देनजर वह अक्तूबर तक 20 हजार छोटी दूरी की उड़ानों में कटौती करेगी। लुफ्थांसा समूह ने कहा कि कम मुनाफे वाले मार्गों पर उड़ानों (मुख्य रूप से जर्मनी के फ्रैंकफर्ट और म्यूनिख शहरों में स्थित उसके प्रमुख हवाई अड्डों पर केंद्रित) को रद्द करने से करीब 40 हजार मीट्रिक टन विमानन ईंधन के बराबर बचत होगी। कंपनी ने लागत कम करने के लिए पिछले हफ्ते अपनी एक क्षेत्रीय सहायक कंपनी सिटीलाइन को बंद कर दिया। कंपनी ने कहा कि उसके यूरोपीय नेटवर्क में योजनाबद्ध तरीके से एकीकरण से लुफ्थांसा एयरलाइंस, ऑस्ट्रियन एयरलाइंस, ब्रसेल्स एयरलाइंस, स्विस और आईटीए एयर भी शामिल होंगे। साथ ही ब्रसेल्स, रोम, वियना और ज्यूरिख स्थित केंद्र भी शामिल होंगे। दोगुनी हो गई विमानन ईंधन की कीमत फरवरी के अंत में जब और इस्राइल ने ईरान पर हमले किए और युद्ध शुरू हुआ, तब से कुछ बाजारों में विमानन ईंधन की कीमत दोगुनी से अधिक हो गई। ईंधन की कीमतों में अचानक वृद्धि से एयरलाइंस खासतौर से प्रभावित होती हैं, क्योंकि विमानन ईंधन आमतौर पर उनके सबसे बड़े परिचालन खर्चों में से एक होता है। होर्मुज बंद होने से बाधित हुई आपूर्ति ईरान के तट से दूर स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य के आस-पास जंग जारी है, जहां से दुनिया के एक-पांचवें तेल का परिवहन होता है। इससे दुनियाभर में ईंधन की कीमतों में वृद्धि हुई है और आपूर्ति बाधित हुई है। यूरोप के पास कितना ईंधन बचा है? अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख ने 16 अप्रैल को अपने अनुमान में बताया था कि यूरोप के पास करीब छह हफ्ते के लिए ही ईंधन बचा है। एजेंसी ने कहा कि अगर और आपूर्ति नहीं मिली तो एयरलाइंस अपनी उड़ानों के मार्गों में कटौती करना शुरू कर देंगी। लुफ्थांसा ने कहा कि उसने आने वाले हफ्तों के लिए पर्याप्त विमानन ईंधन सुरक्षित कर लिया है और गर्मियों के दौरान ईंधन की आपूर्ति को स्थिर रखने के लिए कई उपाय कर रही है, जिसमें जेट ईंधन की प्रत्यक्ष खरीद भी शामिल है। उड़ानों के संचालन में कटौती करने वाली यह अकेली एयरलाइन नहीं है।

ट्रंप बोले- समझदारी से समझौता नहीं किया जा सकता, युद्ध विराम की समय-सीमा पर व्हाइट हाउस ने क्या कहा?

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि समझदारी और व्यावहारिक समझ से समझौता नहीं किया जा सकता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।